लखनऊ

रविवार 15 फरवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 176

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

इंसान तब नहीं हारता जब उसे कोई गिरा देता है, वो तब हारता है जब वो खुद उठने से इंकार कर देता है।

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

भाजपा नेता की लाश पटियाला में भाखड़ा नहर से बरामद, 3 दिन पहले हुए थे लापता

पटियाला। पटियाला के वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल मंगला की लाश भाखड़ा नहर से बरामद कर ली गई है। वे पिछले तीन दिनों से लापता थे। घटना पटियाला-समाना रोड पर धनेठा गांव के पास हुई, जहां गोताखोरों की टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया था। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अनिल मंगला मंगलवार शाम से गायब थे। उनकी तलाश में पुलिस ने भाखड़ा नहर के आसपास छापेमारी की थी। दो-तीन दिन पहले पटियाला-समाना रोड पर भाखड़ा नहर के किनारे उनका स्कूटर, जैकेट और जूते बरामद हुए थे, जिसके बाद नहर में कूदने या डूबने की आशंका जताई गई थी। भोले शंकर डाइवर क्लब के गोताखोर टीम के प्रधान शंकर भारद्वाज ने शव मिलने की पुष्टि की। डाइविंग टीमों ने लगातार सर्च अभियान चलाया, जिसमें शुक्रवार को अनिल मंगला का शव नहर से निकाला गया। पुलिस ने बताया कि शव की पहचान हो चुकी है और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत के कारणों और परिस्थितियों की जांच की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह आत्महत्या थी, हादसा या कोई अन्य मामला। पुलिस ने मामले में कोई संदिग्ध गतिविधि की जांच शुरू कर दी है।

ठीक से नहीं काटे बाल, इस पर SC ने क्या गजब का फैसला दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्सर हम और आप देखते हैं कि जब भी कभी हम किसी सैलून में जाते हैं तो इस बात का ध्यान रखते हैं कि किस तरीके से वो व्यक्ति हमारे हेयर स्टाइल या तमाम और सारी चीजों को वो करता है। कौन-कौन से प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करता है। कहीं कोई ऐसी चीज तो नहीं है कि जो हमारी स्किन को या फिर तमाम तरीके से हमारे लुक को खराब तो नहीं कर देती है। इन सारी चीजों को लेके अमूमन हम देखते हैं कि चाहे महिलाएं हो चाहे पुरुष हो काफी गंभीर रहते हैं। लेकिन जिस तरीके से एक मामला सामने आया है वह मामला बेहद दिलचस्प है। मामला 7 साल पुराना है। लेकिन सबसे बड़ी बात यहां पर ये है कि क्या ऐसा भी मामला हो सकता है कि अगर कोई सैलून में बाल काटने वाला व्यक्ति आपके बाल अच्छी तरह से नहीं काटता या आपके लुक को बिगाड़ देता है या फिर आपके बाल जिसने आपने काटने के लिए कहा है उससे ज्यादा बाल काट देता है तो उसे जुर्माने के तौर पर बड़ी रकम भी देनी पड़ सकती है। सुनकर आप चौंक जरूर रहे होंगे कि क्या ऐसा हो सकता है? क्योंकि अमूमन अगर आप किसी सैलून में जाएं या जहां तो हजारों रुपए या फिर 100 15000 या फिर अगर आप और भी कुछ प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं फेशियल कराते हैं या कुछ और चीजों का इस्तेमाल करते हैं या सर्विज का तो उसके लिए आपको चार्ज पे करना पड़ता है। लेकिन सवाल यहां पर ये है कि क्या अगर किसी महिला के या किसी अभिनेत्री के या किसी मॉडल के किसी सैलून में जाने पर उसके मनमाफिक उसके बाल नहीं कटते हैं तो उसको लेकर के क्या कोई मामला तूल पकड़ सकता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया जो आखिरी में अंत तक सुप्रीम कोर्ट की चौखट तक गया और सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर आने के बाद इस पूरे मामले में फिर फैसला दिया गया।

सत्ता से बाहर होने पर कांग्रेस और जहरीली हो गई, असम को सावधान रहना होगा... गुवाहाटी में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी ने असम के गुवाहाटी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि नॉर्थ ईस्ट हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है। इस साल का बजट अष्टलक्ष्मी के लिए बीजेपी-एनडीए के विजन को और मजबूती देने वाला है। बजट के बाद असम का और नॉर्थ ईस्ट का मेरा ये पहला दौरा है। जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने हमेशा नजरअंदाज किया, हम उस नॉर्थ ईस्ट की भक्तिभाव से सेवा कर रहे हैं। कांग्रेस सत्ता से बाहर होने के चलते और जहरीली हो गई है। असम को सावधान रहना होगा।

पीएम मोदी ने कहा, बजट में बहुत ज़्यादा फोकस नॉर्थ ईस्ट को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है। इस बार असम को टैक्स की जगहों

के रूप में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये मिलने वाले हैं। कांग्रेस के समय असम को कैसे पाई-पाई के लिए तरसा कर रखा जाता था। वो आपको अच्छी तरह याद होगा। कांग्रेस के समय असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हज़ार करोड़ रुपये मिलते थे।

उन्होंने कहा, अब भाजपा सरकार में असम को कांग्रेस सरकार के मुकाबले 5 गुना ज़्यादा रुपये मिल रहे हैं। अगर पिछले 11 साल की बात करें तो असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से 5 150 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा मिले हैं। पहले जब भी नॉर्थ ईस्ट का जिक्र होता था तब लोगों को खराब इंफ्रास्ट्रक्चर की याद आती थी। आज यहां ऐसे हाईवे बन रहे हैं जहां ना सिर्फ गाड़ियां चलती हैं, बल्कि हवाई जहाज भी उतर सकते हैं।

कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती

कांग्रेस पर और हमला करते हुए पीएम ने कहा,जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से भी इनकार करती हो, जो सवाल करते हैं कि मां भारती क्या होती है, जो मां भारती के नाम तक से परहेज करती हो, जो मां भारती के प्रति जरा सा सम्मान तक नहीं दिखाते, वो कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती।

आज पुलवामा हमले की बरसी है

प्रधानमंत्री ने कहा, आज पुलवामा हमले की बरसी है। मैं इस हमले में जान गंवाने वाले मां भारती के वीर सपूतों को नमन करता हूं। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा है। आपने भारत की ये शक्ति ऑपरेशन सिंदूर में भी देखी है। मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या कभी कांग्रेस में देशहित के लिए इतनी हिम्मत के साथ फैसले करने की ताकत थी क्या?कांग्रेस के नेता ज्यादा से ज्यादा बयान दे सकते हैं।

MMC बनकर फिर देश को बांटने में लग गई कांग्रेस

आज की कांग्रेस हर उस विचार, हर उस आतंकी को कंधे पर बिठाती है, जो देश का बुरा सोचता है। जो लोग देश के टुकड़े-टुकड़े करने का सपना देखते हैं, जो लोग नॉर्थ ईस्ट को भारत से अलग करने के नारे लगाते हैं वो कांग्रेस के लिए पूजनीय बन चुके हैं। आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया। अब आज की कांग्रेस, मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस यानी MMC बनकर फिर देश को बांटने में लग गई है। पीएम ने कहा, आपको कांग्रेस से सावधान रहना है और असम की जनता को भी सावधान करना है। कांग्रेस के समय में 3G और 4G टेक्नोलॉजी आई, 2G के घोटाले भी आए लेकिन नार्थ-ईस्ट तक, असम तक उसे तेजी से पहुंचाने के लिए कांग्रेस ने मेहनत ही नहीं की। जब भाजपा सरकार में 5G टेक्नोलॉजी आई तो हमने इस टेक्नोलॉजी को असम सहित पूरे नार्थ-ईस्ट के गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए काम किया।

नीतियों में बढ़ोतरी होती है तो रोजगार के अवसर बढ़ते हैं

पीएम मोदी ने कहा, यह गर्व का पल है। यह असम की बदलती भावना है। इस साल के बजट में नॉर्थ ईस्ट की नीतियों को और ज़्यादा बढ़ाने देने का काम किया गया है। नीतियों में बढ़ोतरी होती है तो रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। इसलिए हाईवे और दूसरी रोड प्रोजेक्ट्स के लिए असम को हजारों करोड़ रुपये देने का फैसला लिया गया है।

अमित शाह का कांग्रेस पर बड़ा हमला, 'पुडुचेरी को बना दिया था गांधी परिवार का एटीएम'

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस के वी. नारायणसामी के नेतृत्व वाली पुडुचेरी की पूर्व सरकार पर केंद्र शासित प्रदेश को गांधी परिवार का एटीएम बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सीटों सहित स्नातकोत्तर और डिप्लोमा की सीटें धनी व्यक्तियों को बेच दीं। पुडुचेरी के कराईकल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नारायणसामी की सरकार ने पुडुचेरी को गांधी परिवार का एटीएम बना दिया था। उन्होंने खुलेआम स्नातकोत्तर और डिप्लोमा की सीटों की नीलामी की और यहां तक कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित

जनजाति के लिए आरक्षित सीटों को भी धन के लालच में धनी व्यक्तियों को बेच दिया। शाह ने कहा कि परिवहन माफियाओं को जनता को परेशान करने की खुली छूट दी गई थी। शाह ने कहा कि पुडुचेरी में कांग्रेस के पांच साल के शासनकाल में भ्रष्टाचार और अराजकता व्याप्त थी, जिसे भाजपा ने खत्म करने के लिए काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि अब हमारा ध्यान अगले पांच वर्षों में पुडुचेरी को एक विकसित केंद्र शासित प्रदेश में बदलने पर है। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों तक कांग्रेस सरकार ने यहां भ्रष्टाचार और अराजकता का माहौल बनाया। इन पांच वर्षों में हमने भ्रष्टाचार का खात्मा किया और अराजकता को व्यवस्था में परिवर्तित किया, और अब समय आ गया है कि अगले पांच वर्षों में पुडुचेरी को एक विकसित केंद्र शासित प्रदेश में बदला जाए।

राहुल गांधी की किसानों संग बैठक पर बड़ा सियासी बवाल, भाजपा ने फोटो शेयर कर कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद कार्यालय में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संबंध में उनकी चिंताओं को सुना। इस कदम पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस मुलाकात को सुनियोजित बताया और कांग्रेस नेता पर भ्रामक बातें फैलाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते में शुल्क प्रावधानों को लेकर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस समझौते से भारत के कपास किसानों और कपड़ा निर्यातकों पर प्रतिकूल प्रभाव

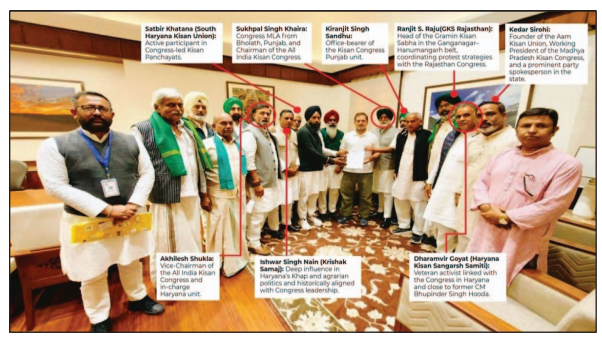

पड़ेगा। गांधी ने कहा कि जहां अमेरिका में भारतीय कपड़ों पर 18 प्रतिशत शुल्क लगता है, वहीं बांग्लादेश को अमेरिकी कपास आयात करने की शर्त पर कपड़ों के निर्यात पर शून्य प्रतिशत शुल्क का लाभ दिया जा रहा है। नीतिगत ढांचे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी कपास का आयात घरेलू किसानों को नुकसान पहुंचाएगा, जबकि इसका आयात न करने से कपड़ा उद्योग को नुकसान होगा। उन्होंने आगे दावा किया कि बांग्लादेश भारत से कपास के आयात में संभावित कमी या रोक के संकेत दे रहा है, जिससे भारतीय उत्पादकों की स्थिति और खराब हो सकती है।

किसानों ने क्या कहा

इसके साथ ही विपक्ष के नेता गांधी ने देश भर के 17 प्रमुख किसान संघों के प्रतिनिधियों से बातचीत की। प्रतिभागियों के अनुसार, संघों ने आशंका व्यक्त की कि व्यापार ढांचा भारतीय किसानों, विशेषकर मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे की खेती करने वाले किसानों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है। किसान प्रतिनिधियों ने समझौते के विरोध में एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन की आवश्यकता पर बल दिया, यह तर्क देते हुए कि इससे किसानों की आय कम हो सकती है और कृषि क्षेत्र के लिए सुरक्षा उपाय कमजोर हो सकते हैं।

पीएम मोदी के असम दौरे पर कांग्रेस का तंज, 'मणिपुर बस एक घंटे दूर, ये रहा टिकट'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की तीखी राजनीतिक टिप्पणी ने मणिपुर को एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया है। पार्टी नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूर्वोत्तर दौरे के दौरान हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर का दौरा करने का आग्रह किया है। X पर एक पोस्ट में, खेड़ा ने व्यंग्य करते हुए कहा कि चुनाव वाले राज्य हमेशा आपकी सर्वोच्च प्राथमिकता होते हैं, लेकिन मणिपुर को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राज्य 2023 से जल रहा है, और अब फिर से जल रहा है। ये टिप्पणियां तब आईं जब प्रधानमंत्री 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ करने के लिए असम में थे। खेड़ा ने दोनों राज्यों की निकटता की ओर इशारा करते हुए लिखा कि आप आज असम में हैं। मणिपुर यहाँ से सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है। कृपया वहाँ भी जाइए। प्रधानमंत्री की उपस्थिति मणिपुर के लोगों को आश्वस्त करने में बहुत मददगार साबित हो सकती है। एक तीखे तंज में, खेड़ा ने दावा किया कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के लिए गुवाहाटी से इम्फाल तक की उड़ान बुक भी कर दी थी। उन्होंने फ्लाइट टिकट बताते हुए लिखा कि आपकी सुविधा के लिए, हमने गुवाहाटी से इम्फाल के लिए आपकी फ्लाइट बुक कर दी है, आपको बस विमान में बैठना है। उन्होंने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए आगे लिखा कि चूंकि मेरे पास आपका नंबर नहीं है, इसलिए मैं आपका फ्लाइट टिकट यहां साझा कर रहा हूं।

पुलवामा हमले की 7वीं बरसी : नम आंखों से शहीदों को नमन, परिवारों ने याद किए अपने वीर सपूत

नई दिल्ली, एजेंसी। साल वर्ष पहले पुलवामा हमले में शहीद हुए बहादुर सैनिकों के परिवारजनों की आंखें आज भी नम हैं। सातवीं बरसी पर देशभर में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। पंजाब के अलग-अलग जिलों में शहीद जवानों के परिवारों ने अपने वीर सपूतों को याद किया। गुरदासपुर के दीनानगर में सीआरपीएफ कांस्टेबल मनिंदर सिंह की शहादत की बरसी पर श्रद्धांजलि सभा रखी गई। कार्यक्रम में चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हरप्रीत सिंह, कर्नल विश्वनाथ (25 एमएसी यूनिट) और लेफ्टिनेंट बी.एस. नेगी (3 जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री) समेत कई लोगों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। मनिंदर सिंह के भाई लखविश सिंह अत्री ने उस दिन

को याद करते हुए बताया कि जब छुट्टी खत्म करके जवान 14 फरवरी 2019 को अपनी ड्यूटी पर लौट रहे थे, पुलवामा जिले में हुए आतंकी हमले में 40 जवान शहीद हो गए थे और मेरा भाई भी उनमें से एक था।लखविश सिंह अत्री ने कहा, घर में चल रहे काम को लेकर उनसे आखिरी बात हुई थी। वे उस समय जम्मू पहुंचे थे। शाम को समाचारों से पता चला कि पुलवामा में आतंकी हमला हुआ है। इससे मुझे भी अपने भाई की चिंता हुई थी। मैंने भाई को फोन किया, लेकिन वह बंद था। लगभग आधे घंटे बाद यह पुष्टि हुई कि हमले में मेरा भाई भी शहीद हुआ है। हमें दुख था, लेकिन इस बात का गर्व भी था कि मेरे भाई ने देश के लिए अपना बलिदान दिया है। उन्होंने बताया, मैं और मेरा भाई हम दोनों एक साथ सीआरपीएफ में भर्ती हुए थे।

दिल्ली में बढ़ेगी गर्मी... यूपी में 72 घंटे बाद बारिश, हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट, जानें 5 राज्यों का मौसम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में ठंड लगभग खत्म हो चुकी है। आईएमडी के अनुसार आज दिल्ली का मौसम साफ रहेगा और दिन में तेज धूप निकलने से थोड़ी गर्माहट महसूस होगी। बारिश की कोई संभावना नहीं है। 19 फरवरी तक मौसम में कोई खास बदलाव होने के आसार नहीं है। हालांकि दिन में तेज धूप निकलने से तापमान में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार कर दिल्ली का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

वहीं आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं ठंड कम होने से लिए दिल्ली में प्रदूषण का स्तर भी बहुत कम हो गया है। लोधी रोड सहित कई इलाकों में AQI 200 के अंदर दर्ज किया गया।

यूपी-बिहार में आज कैसा रहेगा मौसम?

यूपी में आज मौसम साफ रहेगा। आईएमडी ने पश्चिमी विक्षोभ के कारण 16 और 17 फरवरी को मौसम में बदलाव के संकेत दिए है। इस दौरान नोएडा सहित कई जिलों इलाकों में तेज हवाएं चलने के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं बिहार में आज ठंड कम रहेगी और मौसम साफ रहेगा। दिन के समय धूप निकलने के साथ मौसम सुहावना बना रहेगा।

कहां कितना AQI?

अलीपुर – 235
आनंद विहार – 265
अशोक विहार – 239
बवाना – 232
बुराड़ी – 200
जहांगीरपुरी – 252
लोधी रोड – 150
मंदिर मार्ग – 153

हिमाचल में बदल रहा मौसम का मिजाज

पिछले दिनों हुई बारिश और बर्फबारी के बाद अब हिमाचल में लोगों को ठंड से काफी राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार 16 फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिस कारण राज्य के पहाड़ी हिस्सों में 17 और 18 फरवरी को हल्की बारिश के साथ बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इसके बार मौसम साफ रहने की उम्मीद है। उत्तराखंड में 16 फरवरी तक मौसम साफ रहने की उम्मीद है। 17 फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 18 फरवरी को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं राजस्थान में 15 फरवरी को बाद मौसम करवट ले सकता है।

शंकराचार्य पर सियासी बवाल, अखिलेश- अहंकार में आदमी ऐसा ही बोलता है

नई दिल्ली, एजेंसी। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े विवाद पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों विधानसभा में अपनी बात रखी थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं बन सकता। हर व्यक्ति हर पीठ के आचार्य के रूप में जाकर यहां-वहां वातावरण खराब नहीं कर सकता। अब सीएम योगी की इस टिप्पणी पर अखिलेश यादव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य जी के बारे में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना पाप है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पहन ले कोई जैसे भी चोलेपर उसकी वाणी पोल खोले। आगे लिखा कि शंकराचार्य जी के बारे

में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना, शाब्दिक हिंसा है और पाप भी है। ऐसा कहने वाले के साथ-साथ उनको भी पाप पड़ेगा। उन्होंने चापलूसी में मेज थपथपाई हैं। जब बीजेपी के विधायक सदन के बाहर जाएंगे और जनता का सामना करेंगे तो जनता सड़क पर उनका सदन लगा देगी। परम पूज्य शंकराचार्य जी के बारे में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना, शाब्दिक हिंसा है और पाप भी। ऐसा कहनेवाले के साथ-साथ उनको भी पाप पड़ेगा जिन्होंने चापलूसी में मेजें थपथपाई हैं। जब भाजपा के विधायक सदन के बाहर जाएंगे और जनता का सामना

धर्म-पद पर सवाल उठाने का नहीं अधिकार: अखिलेश

अखिलेश यादव ने महाकुंभ भगदड़ को लेकर भी सीएम योगी पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने लिखा कि जो महाकुंभ की मौतों पर सच्चे आंकड़े नहीं बताते हैं, कैश में मुआवजा देकर उसमें भी भ्रष्टाचार का रास्ता निकाल लेते हैं। जिन तक मुआवजा नहीं पहुंचा, उनका पैसा कहां गया, ये नहीं बताते हैं। अपने ऊपर लगे मुकदमे हटवाते हैं। वो किसी और के धर्म-पद पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं रखते हैं।

अहंकार में आदमी कुछ भी बोलता है- अखिलेश

अपने बयान में उन्होंने क़ानून का शासन बोल दिया, जैसे ही इस बात पर उनका ध्यान जाएगा वो विधि का शासन बोलने के लिए क्या दोबारा सदन बुलाएंगे या इसके लिए एक टांग पर खड़े होकर लड़खड़ाता प्रायश्चित करेंगे। अखिलेश ने लिखा कि जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है। अहंकार संस्कार को विकार में बदल देता है। वो व्यक्ति समाज में मान-सम्मान खो देता है, जिसके बारे में ये कहावत प्रचलित हो जाती है कि जब मुंह खोला, तब बुरा बोला! अखिलेश ने लिखा कि हाता नहीं भाता का ये विस्तारित रूप है, यही सच्ची सच्चाई है। जिस समाज के ख़िलाफ़ रहकर उन्होंने हमेशा अपनी नफ़रत की राजनीति की है, उसे धर्म के मामले में भी अपमान-पराजित करने का ये उनका अहंकार है।

बरेली में राइस मिलर के घर में लूट, जेवर-कैश लेकर फरार, छत से कूदते वक्त एक बदमाश का पैर टूटा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में बदमाशों के हौसले लगातार बुलंद होते दिखाई दे रहे हैं। धौराटांडा कस्बे में देर रात एक राइस मिलर के घर घुसकर बदमाशों ने परिवार को तमंचे के बल पर बंधक बनाया और नकदी-जेवर लूटकर फरार हो गए। भागते समय एक बदमाश छत से कूद गया, जिससे उसके पैर टूट गए। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल बदमाश को पकड़ लिया, जबकि उसके साथी फायरिंग करते हुए भाग निकले। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस बाकी आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। वहीं राइस मिलर का परिवार दहशत में है।

दरअसल, घटना बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र की है। वार्ड नंबर चार निवासी अकील अहमद के बड़े बेटे मोहम्मद रिहान यूनाइटेड राइस मिल चलाते हैं। उनका घर कस्बे से थोड़ा बाहर मियांपुर रोड पर बना हुआ है। परिवार का आरोप है कि रात करीब दो बजे कुछ बदमाश मुख्य गेट का ताला काटकर अंदर घुस आए। उसी दौरान अकील अहमद hsM के लिए उठे तो बदमाशों ने उन्हें पकड़ लिया और तमंचा दिखाकर धमकाया।

इसके बाद बदमाशों ने घर में सो रहे रिहान और उनके भाई मोहम्मद रिजवान को जगा दिया। पूरे परिवार को एक जगह बैठाकर जान से मारने की धमकी दी गई। अकील अहमद के हाथ कपड़े से बांधकर उन्हें बंधक बना लिया गया। बदमाशों ने घर में रखे करीब 8 लाख 32 हजार रुपये नकद और लगभग छह तोला सोने-चांदी के जेवर लूट लिए। परिवार के लोगों का कहना है कि बदमाश काफी आक्रामक थे और बार-बार गोली मारने की धमकी दे रहे थे।

भागते समय टूटा पैर, साथियों ने की फायरिंग

लूटपाट के बाद जब बदमाश घर से निकल रहे थे तो परिवार ने शोर मचा दिया। हड़बड़ी में एक बदमाश छत से कूद गया, जिससे उसके दोनों पैर बुरी तरह टूट गए और वह गिर पड़ा। परिवार और आसपास के लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और घर के अंदर खींच लिया। इसी बीच उसके साथी बदमाशों ने उसे छुड़ाने के लिए कुछ देर तक फायरिंग की। गोलियों की आवाज सुनकर ग्रामीण भी जुटने लगे, जिसके बाद बाकी बदमाश मौके से भाग निकले।

घायल बदमाश की पहचान नन्हे उर्फ रीतराम निवासी थाना दियोरिया कलां, जिला पीलीभीत के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उसके खिलाफ पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बदमाश को हिरासत में लेकर अस्पताल भिजवाया गया।

क्या बोले अफसर?

थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की हालत गंभीर है, इसलिए पहले उसका इलाज कराया जा रहा है। स्वस्थ होने पर उससे पूछताछ कर उसके साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। वहीं एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि घटना का सीसीटीवी फुटेज भी मिला है, जिसमें तीन बदमाश दिखाई दे रहे हैं। पुलिस टीमों को फरार आरोपियों की तलाश में लगाया गया है।

परिवार के लोगों का कहना है कि बदमाशों ने गोली भी चलाई, लेकिन उन्होंने डरने के बजाय साहस दिखाया और घायल बदमाश को पकड़ लिया। ग्रामीणों का मानना है कि अगर परिवार हिम्मत नहीं करता तो सभी बदमाश आसानी से भाग जाते।

पुलवामा कांड की 7वीं बरसी पर हुआ रक्तदान

सुल्तानपुर। पुलवामा आतंकी हमले में शहीद सेना के 40 वीर जवानों की स्मृति में शनिवार को राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के तत्वाधान में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान महादान शिविर का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रियंक वर्मा, जिला चिकित्सालय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर. के. मिश्र व ब्लड बैंक प्रभारी प्रोफेसर डॉ. संजय सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। रक्तदान शिविर राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ अध्यक्ष मेराज अहमद खान के नेतृत्व में हुआ। शनिवार को शिविर मे मौजूद चिकित्सक व समाजसेवियों ने पुलवामा में शहीद जवानों को दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित कर रक्तदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताया। संस्थापक निजाम खान ने रक्तदान शिविर में 30 यूनिट रक्तदान किया गया।

सूअर का हमला या मर्डर? औरैया में अर्जुन सिंह की मौत बनी पहेली, खेत में मिली लाश पर मिले जख्म

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया में एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मामला अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के अमावता गांव का है। यहां शुक्रवार देर रात खेत की रखवाली कर रहे एक युवक का शव गेहूं के खेत में पड़ा मिला। मृतक की पहचान हरपालपुर अड्डा गांव के अर्जुन सिंह के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर गांववाले पहुंचे। परिजन ने हत्या की आशंका जताई है।

परिवार के अनुसार, अर्जुन सिंह रोज की तरह शुक्रवार रात अपने खेत पर ही सोने गया था, क्योंकि फसल को जंगली जानवरों से बचाने के लिए वह अक्सर खेत पर ही रुकता था। देर रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके भाई को फोन कर बताया कि अर्जुन पर सूअर ने हमला किया है। सूचना मिलने पर जब परिजन खेत पहुंचा तो वहां का दृश्य कुछ और ही कहानी बयां कर रहा था। अर्जुन सिंह खेत में मृत अवस्था में पड़ा मिला और शरीर पर मौजूद चोटों के निशान कथित पशु हमले से मेल नहीं खा रहे थे। इसी आधार पर परिवार ने हत्या की आशंका जताई है।

पूरी तरह खेती पर निर्भर था अर्जुन सिंह

मृतक अर्जुन सिंह अपने पीछे पत्नी शांति और आठ वर्षीय पुत्र नैतिक को छोड़ गया है। वह पूरी तरह खेती पर निर्भर था और परिवार का भरण-पोषण इसी से करता था। घटना की खबर जैसे ही गांव में आक्रोश का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया कि अर्जुन का किसी से कोई बड़ा विवाद नहीं था और वह शांत स्वभाव का युवक था, इसलिए उसकी मौत ने सभी को स्तब्ध कर दिया है।

मौके पर पहुंचे जिला पंचायत सदस्य सोनू सेंगर ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अर्जुन गांव का सीधा-सादा और मेहनती किसान था, जो रात में अपने खेत की रखवाली कर रहा था। परिस्थितियां संदेहास्पद हैं और किसी रंजिश या अन्य कारण से उसकी हत्या किए जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष और जल्द जांच कर दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाए।

सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके।

क्या बोले अधिकारी?

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 14 फरवरी 2026 को युवक की संदिग्ध मौत की सूचना प्राप्त हुई थी। शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, इसलिए फील्ड यूनिट, स्वाट और सर्विलांस टीमों को जांच में लगाया गया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। ग्रामीणों और परिजनों की मांग है कि मामले का जल्द खुलासा हो और यदि हत्या हुई है तो दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। फिलहाल पूरे गांव में मातम पसरा है।

'नो मटरू...' डीएम साहिबा का जब लंगूर ने पकड़ लिया पल्लू, तब अफसर ने क्या किया

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश की चर्चित महिला आईएएस अधिकारी और बागपत जिले की डीएम अस्मिता लाल एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई प्रशासनिक सख्ती या बड़ा फैसला नहीं, बल्कि एक बेहद मानवीय और दिलचस्प पल है। एक कार्यक्रम के दौरान डीएम अस्मिता लाल परिसर में मौजूद थीं। माहौल सामान्य था, लोग उनसे मिलने के लिए आगे बढ़ रहे थे। तभी अचानक एक लंगूर उनके करीब आ गया। आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही लंगूर ने डीएम की साड़ी का पल्लू पकड़ लिया, जैसे वह उन्हें जाने से रोक रहा हो।

सुरक्षा कर्मी सतर्क हुए, भीड़ एक पल को ठिठकी, लेकिन डीएम अस्मिता लाल के चेहरे पर घबराहट की जगह मुस्कान थी। उन्होंने झटके से खुद को छुड़ाने के बजाय स्थिति को सहजता से लिया। वह वहीं जमीन पर बैठ गईं और फिर प्यार से बोलीं 'नो मटरू'

डीएम ने बढ़ाया हाथ, लंगूर ने कपड़ी ली उंगली

यह सुनते ही वहां मौजूद लोगों के चेहरे भी खिल उठे। डीएम ने हाथ आगे बढ़ाया तो लंगूर ने उनकी उंगली थाम ली। कुछ सेकंड के इस दृश्य ने माहौल को पूरी तरह से खुशनुमा बना दिया। ऐसा लगा मानो प्रशासन और प्रकृति के बीच एक अनकहा संवाद चल रहा हो। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इस दृश्य को संवेदनशील प्रशासन का प्रतीक बता रहे हैं। कई यूजर्स लिख रहे हैं कि ऐसी डीएम हर जिले में होनी चाहिए।

सरल व्यवहार के लिए जानी जाती हैं अधिकारी

अस्मिता लाल पहले भी बागपत में अपने जमीनी जुड़ाव और सरल व्यवहार के लिए जानी जाती रही हैं, लेकिन इस बार उनका यह अंदाज अलग था। न कोई औपचारिकता, न दूरी। बस एक सहज मुस्कान और अपनापन। साड़ी का पल्लू थामे वह लंगूर शायद यह नहीं जानता था कि वह जिले की सबसे बड़ी अधिकारी को रोक रहा है, लेकिन उस पल में न पद था, न प्रोटोकॉल बस एक इंसान और एक बेजुबान जीव के बीच भरोसे का रिश्ता था।

हाईकोर्ट के आदेश से फतेहपुर संगत प्रधान के अधिकार बहाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के जयसिंहपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत फतेहपुर संगत के प्रधान को बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रधान के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार बहाल करने का आदेश दिया है। मामला ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं की शिकायत से शुरू हुआ था। शिकायत के आधार पर 4 फरवरी 2023 को जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में शासकीय धनराशि के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि किए जाने के बाद प्रधान को 30 अगस्त 2023 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। तत्कालीन पंचायत सचिव को भी नोटिस भेजा गया था।इसके बाद अंतिम जांच के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक और शारदा सहायक खंड-49 के अधिशाषी अभियंता को नामित किया गया। जांच प्रक्रिया के बीच 4 नवंबर 2023 को तत्कालीन जिलाधिकारी ने प्रधान के सभी वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए थे। 18 अप्रैल 2024 को सौंपी गई अंतिम जांच रिपोर्ट में भी अनियमितताओं का उल्लेख किया गया, जिसके आधार पर एक और कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। मामले में तकनीकी अधिकारी राज किशोर सिंह (अवर अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जयसिंहपुर) के विरुद्ध भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।इस पूरे प्रकरण को चुनौती देते हुए प्रधान ने हाईकोर्ट की शरण ली। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने 4 नवंबर 2023 को जारी जिलाधिकारी के आदेश, संबंधित जांच रिपोर्ट और कारण बताओ नोटिस को निरस्त कर दिया। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को ग्राम पंचायत फतेहपुर संगत के प्रधान के रूप में तत्काल प्रभाव से वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार बहाल किए जाएं।

एमजीएस में इंटर के छात्रों का विदाई समारोह संपन्न

सुल्तानपुर। शहर के प्रतिष्ठित एमजीएस इंटर कॉलेज में कक्षा ग्यारह विज्ञान वर्ग के छात्रों ने कक्षा बारह विज्ञान वर्ग के छात्रों का विदाई समारोह क्षत्रिय भवन में किया। कार्यक्रम में लक्ष्मी, संध्या, रुचि, सलोनी द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। खुशनूर, सुकृति चेष्टा, यशवर्धन सिंह, राम दुबे, प्रियांशु, ओम सिंह द्वारा रैंप वॉक किया गया। सलोनी, रुचि, अनीता, कशिश ने नृत्य प्रस्तुत किया। जिकरा, मुस्कान, विक्रम, प्रियांशु, श्याम दुबे ने गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह ने बच्चों को अग्रिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं देने के साथ-साथ इंटर की परीक्षा में कॉपी लिखने के टिप्स बताएं। कार्यक्रम संचालन सुरजीत पाल द्वारा किया गया कार्यक्रम में विशेष सहयोग डॉ अमरीश सिंह, अंजनी श्रीवास्तव, रमेश प्रजापति, बलराम सिंह आलोक सिंह, राजेश कन्नौजिया, सुमित श्रीवास्तव, उपकार श्रीवास्तव, संदीप सिंह द्वारा किया गया पुरातन छात्र अखंड प्रताप और विकास ने बच्चों को अपने अनुभव बताएं।

आईआईटी कानपुर कैंपस में जूनियर टेक्नीशियन ने किया सुसाइड, फंदे पर लटकी मिली युवती की लाश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर के परिसर में एक जूनियर टेक्नीशियन युवती का शव शनिवार सुबह फंदे पर लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की कुछ दिनों के बाद सगाई होने वाली थी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र की है।

मृतका की पहचान 26 वर्षीय अंजू कुमारी के रूप में हुई है। वह मूल रूप से झारखंड के जादूगोड़ा की निवासी थी और पिता का नाम राज नंदन रविदास है। वह पिछले तीन वर्षों से आईआईटी कानपुर में जूनियर टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत थी। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की देर शाम अंजू सामान्य रूप से ऑफिस से कैंपस के रूम नंबर-102 में लौटी थी। रात में उसने अपने दुपट्टे की मदद से पंखे के सहारे फांसी लगा ली। शनिवार सुबह जब उनकी साथ काम करने वाली एक अन्य युवती ऑफिस जाने के लिए रूम पर पहुंची, तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब न मिलने पर उसने आईआईटी प्रबंधन को इसकी जानकारी दी।

दरवाजा तोड़कर पुलिस ने निकाला शव

आईआईटी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और खिड़की से झांककर देखा तो शव पंखे के सहारे फंदे पर लटक रहा था। सूचना मिलते ही कल्याणपुर थाने की पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतका के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

कमरे से मिली डायरी

जांच के दौरान कमरे से एक डायरी बरामद हुई है। डायरी में युवती ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में विस्तार से लिखा है। डायरी पढ़ने के बाद पता चला कि उनकी कुछ दिनों बाद सगाई निर्धारित थी। डीसीपी कासिम आब्दी ने बताया कि सुसाइड के पीछे की वजह जानने के लिए पुलिस गहन जांच कर रही है।

किसी व्यक्तिगत कारण या फिर पारिवारिक वजह से जुड़ी आशंका जताई जा रही है। फोरेंसिक टीम कमरे की छानबीन में जुटी है और अन्य साक्ष्यों की तलाश की जा रही है। यह घटना आईआईटी कानपुर परिसर में हाल के दिनों में हुई तीसरी आत्महत्या है, जिससे संस्थान में चिंता का माहौल है।

नीलकंठ महाकालेश्वर धाम में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां पूरी, निकली शोभायात्रा

कादीपुर/सुलतानपुर। क्षेत्र में महाशिवरात्रि से एक दिन पूर्व पड़ेला स्थित नीलकंठ महाकालेश्वर धाम में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गईं। इसी क्रम में शनिवार, 14 फरवरी को भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। शोभायात्रा का नेतृत्व पूर्व प्रमुख डॉ. श्रवण मिश्र ने किया। सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ नीलकंठ महादेव की प्रतिमा को एक आकर्षक विंटेज कार में विराजमान कर पूरे क्षेत्र में भ्रमण कराया गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।डॉ. श्रवण मिश्र ने कहा कि यह धाम क्षेत्र में आस्था और सनातन संस्कृति का केंद्र बनेगा। पड़ेला ग्राम सभा सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ शामिल हुए। "हर-हर महादेव" और "बोल बम" के जयघोष से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

मेरठ साउथ तक डेढ़ साल पहले चल गई थी रैपिड, क्यों हुई देरी, किसे ज्यादा फायदा, कब चलेगी

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। नमो भारत ट्रेन का संचालन होने की कवायद अब धरातल पर दिखने लगी है। 22 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरठ पहुंचकर नमो भारत और मेट्रो ट्रेन सेवा का विधिवत शुभारंभ करेंगे। मोहिउद्दीनपुर में प्रस्तावित रैली को लेकर जिला प्रशासन युद्धस्तर पर तैयारियों में जुटा है।

स्थानीय निवासियों का मानना है कि जहां बेगमपुल और मोदीपुरम स्टेशनों पर अभी कार्य प्रगति पर है, वहीं शताब्दीनगर स्टेशन पूरी तरह बनकर तैयार नजर आ रहा है। यदि शताब्दीनगर स्टेशन से परिचालन शुरू होता है तो हापुड़ रोड और गढ़ रोड क्षेत्र की लाखों की आबादी को सीधा फायदा होगा। ये लोग बिजली बंबा बाईपास के रास्ते सीधे स्टेशन पहुंचकर अपनी यात्रा शुरू कर सकेंगे।

ट्रायल पूरा, अब संचालन का इंतजार

वर्तमान में नमो भारत का संचालन नई दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ स्टेशन तक हो रहा है। पिछले साल फरवरी से ही शताब्दीनगर स्टेशन तक ट्रायल रन शुरू कर दिया गया था। यदि तभी से ट्रेन का विस्तार हो जाता तो यात्रियों के लिए दिल्ली जाना काफी पहले सुलभ हो जाता। बताया जा रहा है कि काम अधूरा था, इसलिए इसके संचालन में देरी हो रही है।

मेरठ साउथ स्टेशन फिलहाल रैपिड कॉरिडोर का शहर में पहला मुख्य स्टेशन है जिसे एक ट्रांजिट हब के रूप में विकसित किया गया है। यहां न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। यात्रियों की भारी संख्या को देखते हुए यहां 1200 वाहनों की क्षमता वाली सबसे बड़ी पार्किंग बनाई गई है जबकि शताब्दीनगर स्टेशन पर भी 800 वाहनों के लिए पार्किंग तैयार की जा रही है।

स्टेशनों की स्थिति और कनेक्टिविटी

शताब्दीनगर स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए सड़क के दोनों ओर दो प्रवेश-निकास द्वार बनाए गए हैं। इस छह किलोमीटर के अतिरिक्त खंड में शताब्दीनगर नमो भारत स्टेशन के अलावा परतापुर और रिठानी के दो मेट्रो स्टेशन भी शामिल होंगे। वहीं बेगमपुल अंडरग्राउंड स्टेशन का सिविल कार्य 100 फीसदी पूरा होने का दावा किया जा रहा है। पिछले साल 27 जून से सराय काले खां से मोदीपुरम तक के पूरे 82 किमी रेलखंड पर सफल ट्रायल रन शुरू हुआ था। फिलहाल नमो भारत और मेट्रो दोनों का ट्रायल चल रहा है। मेरठ साउथ तक तीन महीने के सफल ट्रायल के बाद 18 अगस्त 2024 से परिचालन शुरू हुआ था।

इन कॉलोनियों को होगा सबसे ज्यादा लाभ

पिछले साल 9 फरवरी से शताब्दीनगर तक ट्रायल रन शुरू होने के बावजूद व्यावसायिक परिचालन शुरू न होने से स्थानीय लोगों में बेसब्री है। लोगों का कहना है कि इसके शुरू होते ही शास्त्रीनगर, जागृति विहार, मंगल पांडे नगर, अजंता कॉलोनी, दामोदर कॉलोनी, प्रेमप्रयाग और जय भीम नगर के लोगों के लिए दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा और गाजियाबाद जैसे शहरों की दूरी सिमट जाएगी। बिजली बंबा बाईपास के जरिए शताब्दीनगर स्टेशन पहुंचकर लोग कम समय में अपने कार्यस्थलों तक पहुंच सकेंगे।

171.21 लाख की लागत से बनेगा नया हनुमान घाट, पालिकाध्यक्ष ने किया शिलान्यास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की वंदन योजना के अंतर्गत नगर क्षेत्र वार्ड बढ़ैयाबीर में गोमती नदी तट पर स्थित पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल पर नए हनुमान घाट के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि आदि गंगा मां गोमती के तट पर स्थित यह कच्चा घाट लंबे समय से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। स्थानीय सभासदों और नागरिकों की मांग पर इसे सीताकुंड घाट की तर्ज पर विकसित करने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। शासन ने 171.21 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है, जिसके तहत आधुनिक सुविधाओं से युक्त हनुमान घाट का निर्माण कराया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत 50 मीटर लंबाई और 17 मीटर चौड़ाई में

सीढ़ीयुक्त घाट, 350 वर्गमीटर इंटरलॉकिंग मार्ग, दो बड़े हाल, पांच सीटों वाला शौचालय, दो हाईमास्ट लाइट, वृक्षारोपण, इंटरलॉकिंग पाथवे और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे।पालिकाध्यक्ष ने कहा कि घाट के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं को नियमित पूजा-पाठ और स्नान के साथ ही छठ पूजा, पूर्णिमा, अमावस्या एवं अन्य पर्वों पर विशेष स्नान-दान के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में यह स्थल धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा, जिससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। वरिष्ठ साहित्यकार कमल नयन पाण्डेय ने इसे नगरवासियों के लिए बड़ी सौगात बताया। भाजपा नेता रामचन्द्र मिश्र ने कहा कि सरकार शहरी विकास के साथ-साथ प्राचीन धार्मिक स्थलों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता दे रही है। कार्यक्रम संयोजक व स्थानीय सभासद प्रवीण मिश्र ने बताया कि घाट के निर्माण से वर्षों से चली आ रही असुविधाएं दूर होंगी।कार्यक्रम में पूर्व मंत्री ओम प्रकाश पाण्डेय, डॉ. जे.पी. सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों पर हो एफआईआर, 150 लोगों की सुनीं समस्याएं: योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। हर मामले की निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण होना चाहिए। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी।

सीएम योगी ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस के अफसरों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

घबराने की आवश्यकता नहीं

उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। जनता दर्शन में कुछ मामले ऐसे भी आए थे, जिनमें यह शिकायत की गई कि प्रकरण में गलत रिपोर्ट लगा दी गई है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पता लगाकर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद में शिथिलता या लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए।

किसी तरह की हीलाहवाली हुई तो कार्रवाई तय

जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की हीलाहवाली हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। किसी पीड़ति की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए। किसी स्तर पर जानबूझ कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधिसम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों पर सीएम योगी ने अपना स्नेह बरसाया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारा, उन्हें चॉकलेट दी और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मंदिर की गोशाला में सीएम ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले।

अत्यधिक कम दरों वाली निविदाओं पर सख्ती की तैयारी, लोक निर्माण विभाग ने मांगे सुझाव

» विभाग को आशा है कि प्राप्त सुझावों के आधार पर एक पारदर्शी, व्यावहारिक और उत्तरदायी प्रक्रिया निर्धारित की जाएगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश ने विभागीय निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अत्यधिक कम दरों पर प्राप्त होने वाली निविदाओं के निस्तारण के लिए एक विस्तृत कॉन्सेप्ट नोट तैयार किया है। विभाग का मानना है कि असामान्य रूप से कम दरों पर प्राप्त निविदाएं कई बार कार्य की गुणवत्ता, अनुबंधीय दायित्वों के निर्वहन और परियोजनाओं की समयसीमा को प्रभावित करती हैं, जिससे विवाद और कानूनी जटिलताएं उत्पन्न होती हैं।प्रमुख अभियंता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष अशोक कुमार द्विवेदी द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि इस संबंध में तकनीकी विशेषज्ञों, ठेकेदारों, संस्थानों और अन्य हितधारकों से 28 फरवरी 2026 तक ई-मेल के माध्यम से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। विभाग को आशा है कि प्राप्त सुझावों के आधार पर एक पारदर्शी, व्यावहारिक और उत्तरदायी प्रक्रिया निर्धारित की जाएगी।कॉन्सेप्ट नोट के अनुसार 5 करोड़ रुपये से कम लागत वाले कार्यों में यदि निविदा दर अनुमानित लागत से 10 प्रतिशत से अधिक कम होती है तो अतिरिक्त परफारमेंस सिक्योरिटी जमा करानी होगी। 15 प्रतिशत से कम दरों के मामलों में निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता की विशेष जांच कराई जाएगी और खराब गुणवत्ता पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार को दो वर्ष के लिए डिबार किया जा सकेगा।इसी प्रकार 5 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले कार्यों में भी 10 प्रतिशत से अधिक कम दरों पर अतिरिक्त परफारमेंस सिक्योरिटी अनिवार्य होगी तथा 15 प्रतिशत से अधिक कम दरों के मामलों में मुख्य अभियंता स्तर से गुणवत्ता जांच कराई जाएगी। अन्य विभागों में चल रहे 5 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों की जानकारी निविदा के समय अनिवार्य रूप से अपलोड करनी होगी। कार्य छिपाने या गलत सूचना देने की स्थिति में ठेकेदार को डिबार करने और अनुबंध निरस्त करने का प्रावधान रखा गया है।विभाग का कहना है कि इस नई प्रक्रिया से अव्यवहारिक रूप से कम दरों पर रोक लगेगी, ठेकेदारों की जवाबदेही तय होगी और निर्माण कार्य समयबद्ध, टिकाऊ तथा मानक अनुरूप पूरे किए जा सकेंगे।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 74 जिलों को मल्टी यूटिलिटी वाहन सौंपे गए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, खंड पीठ लखनऊ के चीफ जस्टिस पोर्टिको में प्रदेश के 74 जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के लिए मल्टी यूटिलिटी वाहनों के फ्लैग-ऑफ समारोह एवं राज्य मध्यस्थता हेल्पलाइन के शुभारंभ का भव्य आयोजन किया गया। यह पहल सुदूर ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों तक विधिक जागरूकता पहुँचाने और विवादों के त्वरित निस्तारण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।कार्यक्रम का शुभारंभ विक्रम नाथ, न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा किया गया। इस अवसर पर पंकज मित्तल, अरुण भंसाली, देवेंद्र कुमार उपाध्याय, श्री. चंद्रशेखर तथा महेश चंद्र त्रिपाठी सहित अनेक माननीय न्यायमूर्तिगण उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश शासन एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्रदेश के प्रत्येक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को विधिक जागरूकता के लिए विशेष प्रचार वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इन मल्टी यूटिलिटी वाहनों के माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क विधिक सेवाओं, लोक अदालतों, मध्यस्थता तथा विभिन्न जनकल्याणकारी शासकीय योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाएगी। इस परियोजना के लिए वित्तीय प्रबंध राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा किया गया है।इस अवसर पर राज्य मध्यस्थता हेल्पलाइन 1800-180-1212 का भी विधिवत शुभारंभ किया गया। इस हेल्पलाइन के माध्यम से आम नागरिक अपने विवादों के समाधान हेतु मध्यस्थता प्रक्रिया से संबंधित निःशुल्क परामर्श और आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। यह डिजिटल पहल वैकल्पिक विवाद निस्तारण प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा न्याय प्रक्रिया को सरल, सुलभ और त्वरित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनु कलिया, सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया। उनके कुशल संयोजन और विषय पर गहन समझ ने पूरे आयोजन को व्यवस्थित एवं गरिमामय बनाए रखा। उपस्थित अतिथियों ने आयोजन की रूपरेखा, समन्वय और संचालन की सराहना करते हुए इसे न्यायिक सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

झाँसी में अखिल भारतीय किसान मेला-2026 का शुभारंभ

लखनऊ। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शनिवार को रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी में "कृषि-विकसित भारत-2047" अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी-2026 का भव्य उद्घाटन किया। 14 से 16 फरवरी तक आयोजित इस मेले का उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचारों और कृषि मशीनीकरण को सीधे किसानों तक पहुंचाना है।इस अवसर पर कृषि मंत्री ने श्री अन्न उत्कृष्टता केंद्र तथा खाद्य परीक्षण एवं प्रसंस्करण केंद्र का लोकार्पण किया। साथ ही 20 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले "प्राकृतिक एवं जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र" और 11 करोड़ रुपये की "प्राकृतिक कृषि उत्पाद परीक्षण प्रयोगशाला" का शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं बुंदेलखंड की कृषि व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव लाएंगी।

यूपी डीजीपी के निर्देश : त्योहारों पर बरतें विशेष सतर्कता, सोशल मीडिया पर रखें नजर, होली को लेकर दिये ये आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। डीजीपी राजीव कृष्ण ने शनिवार को ऑनलाइन अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी एडीजी, पुलिस कमिश्नर, एसएसपी व अन्य अफसरों को निर्देश दिए कि त्योहारों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। सोशल मीडिया की निगरानी करें। अगर कोई आपत्तिजनक या विवादित पोस्ट आदि मिलता है तो संबंधित पर कार्रवाई करें।

डीजीपी ने कहा कि महाशिवरात्रि, होली और रमजान के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों, मंदिरों, मस्जिदों, घाटों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। होलिका दहन वाले स्थानों पर पहले से ही सुरक्षा का इंतजाम हो। नमाज के दौरान मार्ग प्रबंधन व यातायात व्यवस्था को सुचारु रखा जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि पहले हुए विवादों की समीक्षा कर संबंधित

पक्षों से संवाद स्थापित करें। प्रत्येक सूचना पर तत्काल कार्रवाई करें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणाधीन 60 हजार आरक्षियों के आगमन को देखते हुए बैरक व आवासीय व्यवस्थाएं दुरुस्त कराएं। आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरती जाए।

बजट का आवंटन समय पर हो

डीजीपी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित बजट का समयबद्ध और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, ई-साक्ष्य और ई-सम्मन प्रणाली की व्यक्तिगत मॉनिटरिंग व सीसीटीएनएस 2.0 और आईसीजेएस 2.0 के लिए तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

हजारों करोड़ के निवेश के बाद बिजली नेटवर्क के निजीकरण पर संघर्ष समिति के सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन से सवाल उठाते हुए कहा है कि जब सरकार और बिजली कर्मियों के सामूहिक प्रयास से हजारों करोड़ रुपये खर्च कर विद्युत वितरण नेटवर्क को सुदृढ़ किया गया है, तो उसे निजी हाथों में सौंपने का औचित्य क्या है?

समिति ने बताया कि आरडीएसएस योजना के अंतर्गत पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड क्षेत्र में नेटवर्क सुदृढ़ीकरण पर बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। वर्ष 2017 में लगभग 41 प्रतिशत रही एटीएंडसी हानियाँ घटकर अब करीब 15 प्रतिशत तक आ गई हैं, जो सुधारों का प्रत्यक्ष परिणाम है।इसी प्रकार दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रांसमिशन एवं वितरण तंत्र को मजबूत किया गया, जबकि प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना के माध्यम से लाखों उपभोक्ताओं, विशेषकर किसानों और ग्रामीण परिवारों को विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। इन प्रयासों से प्रदेश का विद्युत तंत्र पहले की तुलना में अधिक सक्षम और स्थिर हुआ है।संघर्ष समिति ने वर्ष 2026-27 के बजट में विद्युत क्षेत्र के सुधार हेतु 65,926 करोड़ रुपये के प्रावधान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का आभार व्यक्त किया।समिति ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जब आगामी वित्तीय वर्ष के लिए इतनी बड़ी धनराशि नेटवर्क सुधार हेतु स्वीकृत की गई है और बिजली कर्मी पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं, तो पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण का निर्णय तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए।संघर्ष समिति का कहना है कि लगातार सुधारों के चलते वितरण कंपनियों की एटीएंडसी हानियाँ घट रही हैं और वित्तीय स्थिति बेहतर हो रही है। बजट प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद अगले एक वर्ष में प्रदेश की वितरण कंपनियों की एटीएंडसी हानियाँ राष्ट्रीय मानक से नीचे लाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

समिति ने सवाल उठाया कि सरकारी धन से व्यवस्था को मजबूत कर उसे निजी घरानों को सौंपना किस प्रकार का सुधार मॉडल है? इसे जनहित और कर्मचारियों के मनोबल के विरुद्ध बताया गया।अवकाश के दिन भी प्रदेश भर में बिजली कर्मियों ने जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर निजीकरण के विरोध को और तेज करने की रणनीति बनाई।

फोटो नं. 15 श्री कर्णेश्वरनाथ मंदिर फोटो नं. 16 राजेश मिश्रा

लखनऊ। रविवार को महाशिवरात्रि पर्व पर श्री कर्णेश्वरनाथ मंदिर परिसर में सुबह 9 बजे से सामूहिक रुद्राभिषेक प्रारंभ होगा । सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने आगामी धार्मिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। बताया कि महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भगवान भोलेनाथ के पावन एवं पवित्र धाम श्री कर्णेश्वर मंदिर में सुबह आरती व प्रसाद वितरण से जलाभिषेक शुरू हो जाएगा । 9 बजे से सामूहिक रुद्राभिषेक अनुष्ठान प्रारंभ होगा, रूद्राभिषेक पूर्ण होने पर सभी श्रद्धालुओं के लिए फलाहारी प्रसाद की व्यवस्था की गयी है। सायंकालीन भगवान भोलेनाथ का श्रृंगार व 56 भोग प्रसाद व आरती का आयोजन किया गया है।राजेश मिश्रा ने बताया कि यह सभी कार्यक्रम की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

कैम्पियरगंज में बनेगा प्रदेश का पहला वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कैम्पियरगंज में बनने जा रहा प्रदेश का पहला वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी साबित होगा। इस विश्वविद्यालय से डिग्री और डिप्लोमा प्राप्त करने वाले नौजवानों के लिए देश और विदेश में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही यह संस्थान अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।मुख्यमंत्री शनिवार को जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कैम्पियरगंज स्थित गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र का उल्लेख करते हुए कहा कि कृतज्ञता ज्ञापित करना भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। माता सीता के हरण के समय रावण का पहला प्रतिकार गिद्धराज जटायु ने किया था। आज रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से गिद्धों की संख्या में कमी आई है, ऐसे में उनके संरक्षण के लिए केंद्र की स्थापना की गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण आज विश्व की बड़ी चुनौती है। वायु प्रदूषण से मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास के साथ स्वच्छ पर्यावरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कैम्पियरगंज में बनने वाला वानिकी विश्वविद्यालय पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने, वनाच्छादन बढ़ाने और किसानों की आय संवर्धन में सहायक होगा।वर्ष 2017 के बाद प्रदेश और गोरखपुर में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब नीयत साफ हो तो परिणाम स्वतः सामने आते हैं। गोरखपुर में खाद कारखाना पुनः संचालित हुआ, एम्स गोरखपुर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा है, बीआरडी मेडिकल कॉलेज उत्कृष्ट चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। पिपराइच चीनी मिल पुनः चालू हुई, धुरियापार में कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट स्थापित हुआ और गीडा क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां तेज हुई हैं।मुख्यमंत्री ने जंगल कौड़िया ब्लॉक के प्रत्येक गांव से अपने जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने यहां के गांवों की समस्याओं को निकट से देखा है और समाधान के लिए प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कालेसर-जंगल कौड़िया बाईपास बनने से आवागमन सुगम हुआ है तथा प्रमुख सड़कें फोरलेन में परिवर्तित की गई हैं। बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कार्य हो रहा है। पूज्य ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में डिग्री कॉलेज की स्थापना, स्टेडियम निर्माण और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाना विकास की सोच का परिणाम है।

संक्षेप

कांग्रेस विधि विभाग की बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (विधि विभाग) की जिला, शहर एवं प्रदेश कमेटियों की घोषणा के बाद आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, लखनऊ में लखनऊ निवासित पदाधिकारियों एवं अधिवक्ता साथियों की एक औपचारिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय उपस्थित रहे तथा अध्यक्षता विधि विभाग के प्रदेश चेयरमैन आसिफ जमा रिजवी ने की। संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष व संगठन प्रभारी अनस खान और प्रदेश उपाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी अमानुर रहमान ने संयुक्त रूप से किया।बैठक में सभी पदाधिकारियों ने आपसी परिचय के साथ संगठन के आगामी कार्यक्रमों, रणनीति और विधि विभाग के ढांचे को सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने विधि विभाग को जनपद एवं बूथ स्तर तक सक्रिय और संगठित करने पर जोर दिया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कांग्रेस का विधि विभाग संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की रक्षा का मजबूत स्तंभ है। उन्होंने अधिवक्ता साथियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में विधि विभाग प्रदेशभर में न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।विधि विभाग के चेयरमैन आसिफ जमा रिजवी ने कहा कि विभाग का उद्देश्य केवल कानूनी लड़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में संवैधानिक जागरूकता फैलाना भी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में सक्रिय इकाइयों का विस्तार किया जाएगा। बैठक में यह संकल्प लिया गया कि विधि विभाग संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत कर संवैधानिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए निरंतर संघर्ष करेगा।

आधार में जन्मतिथि बदलने के नियमों में होगा बदलाव, अलग-अलग जन्म प्रमाण दिखाकर नहीं होगा अपडेट

लखनऊ। कई लोग उम्र कम दिखाने के लिए आधार में जन्मतिथि बदलवाते हैं। इसमें अलग-अलग जन्म प्रमाणपत्रों को इस्तेमाल किया जाता है। मतलब पहला वाला प्रमाणपत्र निरस्त करवा दूसरा बनवा लिया जाता है। उसके आधार पर आसानी से जन्मतिथि बदलवा ली जाती है लेकिन अब ये हेरफेर नहीं हो सकेगा। इसके लिए नियम को बदलकर सख्त कर दिया गया है। दरअसल जो जन्म प्रमाणपत्र बनते हैं उनमें विशेष जन्म पंजीकरण संख्या दर्ज होती है। अब जो भी आधार कार्डधारक जन्मतिथि बदलवाना चाहेगा तो उसको पहले वाले जन्म प्रमाणपत्र में ही सुधार करवाना होगा। मतलब प्रमाणपत्र की जन्म पंजीकरण संख्या पहले वाली ही होनी चाहिए। अगर कोई आवेदक नई जन्मतिथि का नया प्रमाणपत्र बनवाकर लगाएगा तो ये स्वीकार नहीं किया जाएगा। यानी पहले जन्मतिथि दर्ज थी, वही रहेगी। कुछ लोग नौकरी में अधिक मौके के लिए जन्मतिथि में बदलाव करवाते हैं। विभिन्न खेलों से जुड़े कुछ खिलाड़ी भी इस तरह जन्मतिथि में बदलाव करवाते रहते हैं। इसके अलावा कुछ ऐसे हैं जो एक से अधिक बार हाईस्कूल की परीक्षा देते हैं तो वह भी जन्मतिथि बदलते हैं। अब जो नियम बना, उसके तहत ये खेल नहीं हो पाएगा। जो भी ऐसा करेगा, वह पकड़ा जाएगा।आधार अपडेट करवाने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों से लेकर केंद्रों पर भारी भीड़ लगी रहती है। आंकड़ों से पता चलता है कि करीब 80 फीसदी लोग आधार में जन्मतिथि बदलवाने आते हैं। हेरफेर न हो इसके लिए पहले ही नियम बना था कि एक से अधिक बार खुद से जन्मतिथि नहीं बदलवा सकते हैं। एक से अधिक बार के लिए क्षेत्रीय कार्यालय जाना होता है। इसके बावजूद जन्म प्रमाणपत्र नया बनवाकर हेरफेर कर लेते थे।

प्रयागराज में शैक्षिक भ्रमण से विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक अनुभव

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विद्यापीठ द्वारा एम.एससी. मानव विकास एवं परिवार अध्ययन के विद्यार्थियों के लिए प्रयागराज का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। यह भ्रमण विभागाध्यक्ष प्रो. शालिनी अग्रवाल तथा डॉ. सौम्या तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से जुड़े विषयों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा विभिन्न संस्थानों की कार्यप्रणाली को निकट से समझाना था।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने त्रिशला फाउंडेशन का दौरा किया, जहाँ सेरेब्रल पाल्सी एवं गतिशील विकलांगता से ग्रस्त बच्चों के लिए संचालित पुनर्वास सेवाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। फाउंडेशन के संस्थापक-अध्यक्ष एवं बाल अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र कुमार जैन

तथा सचिव एवं जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. वरदामाला जैन ने संस्था के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और बहुविषयक पुनर्वास मॉडल की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों को फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, विशेष शिक्षा तथा पारिवारिक परामर्श जैसी सेवाओं की समन्वित प्रणाली को समझने का अवसर मिला।इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग तथा परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान विभाग का भी भ्रमण किया। मनोविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर चंद्रांशु सिन्हा ने विद्यार्थियों को मनोविज्ञान के अनुप्रयुक्त पक्षों, शोध गतिविधियों एवं परामर्श सेवाओं की जानकारी दी। वहीं परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अंजली माथुर ने विभाग की शैक्षिक संरचना, शोध कार्यों तथा सामुदायिक विस्तार कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।विद्यार्थियों ने प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा केंद्र तथा विश्वविद्यालय परामर्श प्रकोष्ठ का भी अवलोकन किया। यह शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ। इससे उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ तथा पेशेवर संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व और आत्मविश्वास का विकास हुआ।

योगी सरकार ने प्रस्तुत किया समग्र विकास का बजट

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 2027 में संभावित विधानसभा चुनावों से पूर्व 9 लाख करोड़ रु का अब तक का सबसे बड़ा बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया है। सत्तापक्ष, विशेषज्ञ और मीडिया भी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। परंपरागत रूप से विपक्ष इसकी आलोचना करते हुए इसे योगी सरकार का अंतिम बजट कह रहा है। योगीराज के इस बजट का आकार भारत के पड़ोसी राष्ट्रों पाकिस्तान और बांग्लादेश के बजट से भी कई गुना बड़ा है। यूपी में योगी बजट की एक और विशेष बात है कि किसी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लगातार 10वां बजट पेश हुआ हो ऐसा पहली बार हुआ है। अभी तक किसी भी मुख्यमंत्री को लगातार इतने बजट प्रस्तुत करने का सौभाग्य नहीं प्राप्त हुआ है। यूपी के बजट में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की छाप दिख रही है। योगी सरकार का चुनावी वर्ष के पूर्व का यह बजट प्रदेश को समस्त क्षेत्र में विकसित बनाने का आश्वासन देने वाला बजट है, समाज को संतुष्टि प्रदान करने वाला बजटहै । बजट में समाज के चार स्तंभों युवा, किसान, गरीब व महिलाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। बजट में सुशिक्षित समाज, स्वस्थ समाज, नारी सशक्तीकरण ,जल सरंक्षण, पर्यावरण संरक्षण पर पर्याप्त धन आबंटित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि यह बजट नारी शक्ति, युवावर्ग, किसान, तथा वंचित वर्ग के उत्थान व खुशहाली को समर्पित है। यह विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाएं, उत्कृष्ट निवेश का वतावरण, नारी समृद्धि के लिए अभूतपूर्व प्रयास, युवाओं को अद्वितीय अवसर, तकनीक संग रोजगार सृजन वाला बहुआयामी बजट है। योगी सरकार प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह बजट उसका प्रमाण है। सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट होने के बाड भी बजट में राजकोषीय अनुशासन पर बल दिया गया है और आधुनिकता पर भी ध्यान दिया गया है। सरकार लगातार बजट का आकार बड़ा करके प्रदेश के आर्थिक उन्नयन के लिए नई रणनीतियों के साथ अपनी व्यूह रचना को आगे बढ़ा रही है। महत्वपूर्ण बात है कि आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र के बजट में 76 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, कृषि के लिए 20 प्रतिशत सिंचाई एवं जल संसाधन के लिए विगत वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की गई है। ग्राम पंचायतों के लिए भी सरकार ने खजाना खोल दिया है और इस बार उनके लिए बजट में 67 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। प्रदेश में विधानसभा चुनावों से पूर्व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव भी संभावित हैं जिनके कारण सरकार ने नई मांगो के अनुरूप सबसे अधिक 10,695 करोड़ रु की धनराशि पंचायती राज विभाग को आवंटित की है। इस वर्ष के बजट में कई नए क्षेत्रों का सृजन किया गया है व धन आवंटित कर उन्हे पोषित करने का प्रयास किया गया है। एआई तकनीक तथा डाटा सेंटर के साथ औद्योगिक विकास पर बल दिया गया है। एमएसएमई पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हर बार की तरह एक्सप्रेस वे योजनाओं को भी धन आवंटित कर विकास की गंगा बहाने पर ध्यान दिया गया है। बजट में "एक जिला एक उत्पाद" व "एक जिला एक व्यंजन" जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई हैं। विकास को गति देने के लिए हर जिले व क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। पर्यटन के माध्यम से भी प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने व युवाओं के लिए नये रोजगार सृजन पर बल दिया गया है। बजट को लेकर सरकारी पक्ष का जोरदार दावा है कि नए बजट से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। बजट के माध्यम से सरकार ने किसानों को साधने के लिए बजट में बीज से बाजार तक की विस्तृत योजना के साथ धन का खजाना खोल दिया है। सरकार का जोर फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता पर तो है ही साथ ही वो किसानों को उद्यम, प्रसंस्करण और बाजार से भी जोड़ना चाहती है। प्रदेश के बजट में पशुधन एवं दुग्ध विकास को भी स्थान देते हुए निराश्रित गोवंश के लिए व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 220 नई दुग्ध समितियां गठित करने की घोषणा की गई है। विकास कार्यों के लिए बजट में 19.5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी ग्रामीण अधोसंरचना को गति प्रदान करेगा, इससे सम्बंधित 43.5 हजार करोड़ रु की नई योजनाएं बजट में आवंटित की गई हैं। बजट में बताया गया है कि प्रदेश में हो रहे बदलावों के अनुसार किस प्रकार राजस्व जुटाने में एआई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, देश में आबकारी निर्यात नीति तैयार करने वाला पहला राज्य बना है । देश के मोबाइल निर्माण सेक्टर में 65 प्रतिशत मोबाइल यूपी में बन रहे हैं। 44.74 हजार करोड़ के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात से यूपी देश की ताकत बन चुका है। भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार तहसीलों के लिए योजना बनाई गई है और शिक्षा पर खर्च बढ़ाया गया है। योगी सरकार ने इस बजट में भाजपा शासित अन्य राज्यों की कई अच्छी विकास योजनाओं को भी समाहित करने का सफल प्रयास किया है, जिसमें राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कूटी योजना एक प्रमुख उदाहरण है।

अब भी लाट साहेब ही रहेंगे

अजीत द्विवेदी

पहले अपवाद के तौर पर होता था लेकिन अब यह नियम हो गया है कि लोकभवन में रहने वाला केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की आंख से चीजों को देखेगा और उसकी कान से ही चीजों को सुनेगा।

प्रदेशों की राजधानियों में अंग्रेजों के जमाने में बने और कई कई एकड़ में फैले विशाल भवनों को, जहां राज्यपाल रहते हैं, राजभवन कहा जाए या लोकभवन क्या फर्क पड़ता है? लोकभवन नाम रख देने से न तो उसमें रहने वालों की उपयोगिता बढ़ जाएगी और न उनका एटीट्यूड बदल जाएगा। वे अंग्रेज के जमाने में भी लाट साहेब थे और अब भी लाट साहेब ही रहेंगे। सजावटी और बिना मतलब का पद होने के बावजूद उनको वह प्रोटोकॉल मिलेगा, जो राज्य के चुने हुए मुख्यमंत्री को मिलता है। वे कई एकड़ में फैले भवनों में रहेंगे, सैकड़ों कर्मचारी उनकी सेवा करेंगे, उनको भारी भरकम सुरक्षा मिलेगी और वे बड़ी गाड़ियों में ढेर सारी गाड़ियों के काफिले के साथ सड़क पर निकलेंगे। इतना ही नहीं केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के अलावा उनके लौह द्वार पर न तो कोई और दस्तक दे सकता है और न उनके दस्तक से आम लोगों के लिए लौह द्वार खुलता है।

पहले अपवाद के तौर पर होता था लेकिन अब यह नियम हो गया है कि लोकभवन में रहने वाला केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की आंख से चीजों को देखेगा और उसकी कान से ही चीजों को सुनेगा। साथ ही यह भी अब मेनस्ट्रीम हो गया है कि वह संविधान से ज्यादा राजनीति को महत्व देगा। अगर राज्य में भाजपा विरोधी पार्टी की सरकार है तो लोकभवन में रहने वाले माननीय उसका जीना दूभर किए रहेंगे। उस राज्य में होने वाली हर छोटी बड़ी घटना कानून व्यवस्था के लिए खतरा दिखाई पड़ेगी और उसमें दखल देकर उसका मुद्दा बनाया जाएगा। उन राज्यों की विधानसभाओं से पास किए गए विधेयक अनावश्यक तरीके से रोके जाएंगे। पहले जो एक झीना सा परदा होता था अब उसे भी उतार दिया गया है। ऐसा लग रहा है कि राजभवन को लोकभवन बनाने का यह अनिवार्य नतीजा है कि उसमें रहने वाले लोग लोकनेता की तरह व्यवहार करेंगे और केंद्र में सत्तारूढ़ दल की आलोचना नहीं बरदाश्त करेंगे। इसलिए वे राज्य सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण नहीं पढ़ेंगे। इससे पहले कभी भी राज्यपालों की ऐसी राजनीति देखने को नहीं मिली थी।

एक के बाद एक तीन राज्यों में यह राजनीति देखने को मिली है। तमिलनाडु का नाम बदलने तक का प्रयास कर चुके राज्यपाल आरएन रवि वहां की विधानसभा की कार्यवाही का नियम बदलना चाहते हैं। तमिलनाडु विधानसभा के सत्र की कार्यवाही तमिल के प्रदेश गान से शुरू होती है और समापन राष्ट्रगान से होता है। पिछले चार साल से साल के पहले सत्र में राज्यपाल अभिभाषण नहीं पढ़ रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि कार्यवाही की शुरुआत राष्ट्रगान से हो। इस साल भी इसी नाम पर वे अभिभाषण पढ़े बगैर वापस चले गए। लेकिन अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी है कि तमिलनाडु सरकार के तैयार किए गए अभिभाषण में केंद्र सरकार के खिलाफ बहुत सारी बातें थीं। सो, केंद्र सरकार के खिलाफ कोई बात है तो वह कैसे राज्यपाल पढ़ सकते हैं!

केरल में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने यही काम किया है। उन्होंने अभिभाषण पढ़ा लेकिन पैराग्राफ नंबर 12 का शुरुआती हिस्सा छोड़ दिया, जिसमें केंद्र सरकार के ऊपर संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन करने और राज्य को आर्थिक व अन्य रूप से परेशान करने की बात थी। उन्होंने पैराग्राफ 15 का अंतिम हिस्सा भी नहीं पढ़ा क्योंकि उसमें राज्य विधानसभा से पास विधेयक बेवजह रोके जाने का जिक्र था।

ध्यान रहे पिछले और मौजूदा राज्यपाल दोनों ने कई विधेयक महीनों तक रोके रखा। तीसरे राज्यपाल थावरचंद गहलोत हैं। उन्होंने कर्नाटक विधानमंडल के इस साल के पहले सत्र की साझा कार्यवाही में अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया। राज्य के कानून व संसदीय कार्यमंत्री का कहना है कि 11 पैराग्राफ्स को लेकर राज्यपाल को आपत्ति थी। उन्होंने इन्हें हटाने के लिए कह दिया। सोचें, इससे पहले कब अभिभाषण को लेकर इस तरह की आपत्ति राज्यपाल जताते थे? यह न्यू इंडिया की पिछले 12 साल की परिघटना है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार अभिभाषण में नुक्स निकालेंगे, उसे पढ़ने से मना कर कर देंगे या मनमाने तरीके से कुछ हिस्सा पढ़ेंगे और कुछ छोड़ देंगे।

अब तक यह परंपरा रही है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण को शब्दशः पढ़ेंगे। लेकिन इन दिनों राज्यपालों को भाजपा विरोधी पार्टियों की सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण पढ़ने में बहुत कष्ट हो रहा है क्योंकि उसमें खुद राज्यपालों की भूमिका की आलोचना होती है और केंद्र सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए जाते हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल कार्यालय ने उनके अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी बताया है कि उसमें 'आधे अधूरे दावे और गुमराह करने वाली बातें थीं। ध्यान रहे अभिभाषण चाहे राष्ट्रपति का हो या राज्यपालों का उसमें सरकारें अपनी उपलब्धियां ही बताती हैं वो सही हैं या गलत यह जांच करना राष्ट्रपति या राज्यपाल का काम नहीं होता है। पहले कोई भी इनकी जांच नहीं करता था। लंबे समय तक देश में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन यह अपवाद के लिए ही कहीं देखने को मिला होगा कि राज्यों में कांग्रेस विरोधी सरकारों की ओर से तैयार अभिभाषण पढ़ने से किसी राज्यपाल ने इनकार किया हो या उसमें सुधार किया हो।

लेकिन अब यह इतनी सामान्य परिघटना हो गई है कि भाजपा विरोधी शासन वाले राज्यों का हर राज्यपाल अभिभाषण में सुधार करवा रहा है या पढ़ने से इनकार कर रहा है या अधूरा पढ़ रहा है। विधानसभा से पास विधेयकों को लंबे समय तक रोके रखना भी एक सामान्य परिघटना हो गई है और कानून व्यवस्था के नाम पर सरकार के कामकाज में अड़ंगेबाजी या उसकी आलोचना भी एकदम सामान्य बात हो गई है। इससे एक गलत परंपरा की शुरुआत हो रही है। आगे जब केंद्र की सरकार बदली तब भी यह परंपरा जारी रहेगी और उससे राज्यों में स्थायी टकराव करी संभावना बनी रहेगी। इसलिए इसे रोका जावा चाहिए। ध्यान रहे देश में लंबे समय से इस बात की चर्चा होती रही है कि राज्यपाल का पद जरूरी है या नहीं। इसे चेक एंड बैलेंस के लिए बनाया गया था लेकिन राज्यपाल चेक एंड बैलेंस का काम सिर्फ उन्हीं प्रदेशों में करते हें, जहां केंद्र सरकार की विरोधी पार्टी की सरकार होती है।

अजादी के बाद 78 साल का अनुभव यह बताता है कि राज्यपाल का पद होने से राज्य के कामकाज पर कोई गुणात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। यह सिर्फ टकराव बढ़ाने के काम आता है। वैसे भी भारत में शासन की जो प्रणाली अपनाई गई है उसमें चुने हुए मुख्यमंत्री के ऊपर दबाव बनाने .या उसे काम करने से रोकने की कोई व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। इसलिए इस बात पर सहमति रही है कि राज्यपालों को अधिकार नहीं मिलना चाहिए और उन्हें राजकाज में दखल से रोकना चाहिए। फिर भी अगर अभी राज्यपाल का पद नहीं समाप्त किया जाता है तो कम से कम अभिभाषण की प्रथा खत्म कर देनी चाहिए। यह एक तमाशा है, जिसकी कोई आवश्यकता नहीं। देश के एक विद्वान राष्ट्रपति आर वेंकटरमन ने इसके लिए बहुत प्रयास किया था। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी और चंद्रशेखर दोनों को कई बार कहा कि संविधान के अनुच्छेद 87 और 176 में संशोधन करके राष्ट्रपति और राज्यपालों के अभिभाषण की व्यवस्था को समाप्त कर दिया जाए। आर वेंकटरमन के प्रयासों के 35 साल बाद अब यह अनिवार्य हो गया है कि ये दोनों अनुच्छेद बदले जाएं और अभिभाषण की व्यवस्था समाप्त हो।

टिप्पणी

अमल की ताक में अदालत के महत्त्वपूर्ण आदेश

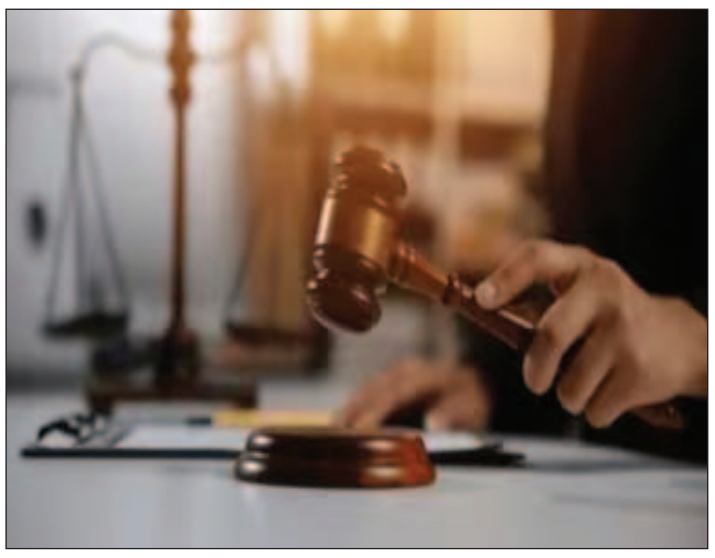

आरटीई कानून लागू हुए 16 वर्ष गुजर गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से जाहिर है कि सरकारों ने उस धारा के तहत अपने दायित्व को नहीं निभाया। यानी लड़कियों के लिए अलग शौचालय की जरूरत पूरी नहीं की गई।

सुप्रीम कोर्ट की इस व्याख्या का ऊंचा सैद्धांतिक महत्त्व है कि मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संविधान प्रदत्त जीवन के मौलिक अधिकार का अभिन्न अंग है। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की खंडपीठ ने कहा कि स्कूलों में लड़कियों को इससे संबंधित सुविधाएं मिलें, यह सरकारों को सुनिश्चित करना चाहिए। इस सिलसिले में लड़के, लड़कियों, और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग शौचालय बनाने तथा लड़कियों को सेनेटरी पैड मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट की ये राय सटीक है कि मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य के सुरक्षित, प्रभावी, और किफायती उपाय उपलब्ध ना होने पर लड़कियों की गरिमा प्रभावित होती है। इसलिए अदालत ने इन सुविधाओं को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत बालिकाओं का मौलिक अधिकार बना दिया है। यानी न्यायालय ने जीवन के अधिकार संबंधी अनुच्छेद का विस्तार किया है।

ठीक ऐसा ही विस्तार एक दशक पहले कोर्ट की एक संविधान पीठ ने किया था, जब निजता को नागरिकों का मौलिक अधिकार घोषित किया गया। दरअसल, गुजरे दशकों में कोर्ट ने अपने कई महत्त्वपूर्ण निर्णयों एवं व्याख्याओं के जरिए नागरिक समाज के विभिन्न समूहों के मौलिक अधिकारों का विस्तार किया है। लेकिन बात घूम-फिर कर अमल पर आ जाती है। पूर्व निर्णय से निजता कितनी सुरक्षित हुई? खुद संसद ने जीवन के बुनियादी हक संबंधी अनुच्छेद 21 में उपधारा 21-ए जोड़कर प्राथमिक शिक्षा को बच्चों का मूल अधिकार बनाया था। उसके तहत स्कूल को खास ढंग से परिभाषित किया गया, जिसमें लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की अनिवार्यता उपलब्धता शामिल है। यह कानून लागू हुए 16 वर्ष गुजर गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से जाहिर है कि सरकारों ने उस धारा के तहत अपने दायित्व को नहीं निभाया। यानी ये जरूरत पूरी नहीं की गई। तो नए आदेश पर पालन सुनिश्चित कौन कराएगा? इसका उल्लंघन होने पर जवाबदेही कैसे तय होगी? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अनेक संवैधानिक प्रावधान, कानून, और सर्वोच्च अदालत के महत्त्वपूर्ण आदेश आज भी अमल की ताक में हैं। अतः सुप्रीम कोर्ट को इस समस्या का भी निवारण करना चाहिए। वरना, उसका ताजा निर्णायक भी महज सैद्धांतिक रूप से महत्त्वपूर्ण बना रह जाएगा।

ब्लॉग

रियल मनी गेम्स पर प्रतिबंध से सरकार और स्टेकहोल्डर्स दोनों को हुआ भारी नुकसान!

कमलेश पांडे

ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 में रियल मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाने से सरकार और स्टेकहोल्डर्स दोनों को अल्पकालिक व दीर्घकालिक नुकसान हुआ है। हालांकि, सरकार इसे सामाजिक सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम मानती है, जबकि उद्योग जगत दीर्घकालिक हानि का दावा करता है। आंकड़े बताते हैं कि आम बजट 2026 और उससे ठीक पहले आए आर्थिक सर्वे भी केंद्र सरकार के बढ़ते वित्तीय घाटे की ओर इशारा कर चुके हैं, इसलिए बेहतर तो यह होता कि मोदी सरकार ऐसे द्विपक्षीय हानिप्रद फैसले लेने से पहले इससे जुड़े उद्योग जगत व अन्य स्टेक होल्डर्स से उन्मुक्त हृदय से बातचीत के बाद ही किसी अंतिम नतीजे पर पहुंचती।

जहां तक सरकार को नुकसान की बात है तो सरकार को सालाना ₹15,000-20,000 करोड़ जीएसटी (GST) राजस्व का सीधा नुकसान हुआ, क्योंकि रियल मनी सेक्टर 86% राजस्व का स्रोत था। वहीं, इस क्षेत्र में सक्रिय 400+ कंपनियों के बंद होने से कॉर्पोरेट टैक्स और FDI (₹25,000 करोड़) प्रभावित हुए। वहीं, जहां तक स्टेकहोल्डर्स को हानि की बात है तो रियल मनी गेम्स सेक्टर में 2 लाख नौकरियां (प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से) खतरे में हैं, जिसमें डेवलपर्स, मार्केटर्स और फिनटेक शामिल हैं। जिससे 50 करोड़ गेमर्स अवैध ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स की ओर मुड़ सकते हैं, जिससे धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग बढ़ने के आसार प्रबल हैं।

हालांकि, सरकार ने अपने निर्णय के बचाव में तर्क दिया है कि 45 करोड़ लोगों को ₹20,000 करोड़ का नुकसान हुआ था, जबकि नए प्रतिबंध से ई-स्पोर्ट्स ($1-2 बिलियन) मजबूत होगा। इस प्रकार लंबे समय में नया राजस्व (टूर्नामेंट्स, स्पॉन्सरशिप) नुकसान की भरपाई करेगा।

बताया जाता है कि जिस तरह से ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 को अगस्त 2025 में संसद के दोनों सदनों से मात्र दो दिनों में पारित किया गया, वह त्वरित निर्णय है, जिसने 'रियल मनी गेम्स' पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया, जो अर्थव्यवस्था पर कई दुष्प्रभाव डाल चुका है और आगे भी पड़ेगा। जहां तक नौकरियों पर प्रभाव की बात है तो इससे लगभग 2 लाख प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं, क्योंकि 400 से अधिक कंपनियां बंद होने की कगार पर हैं। इंडस्ट्री बॉडीज के अनुसार, $25 अरब डॉलर के सेक्टर का बड़ा हिस्सा रियल मनी गेमिंग था, जिसका अचानक अंत होने से मानव संसाधन संकट पैदा हो गया। वहीं, जहां तक सरकारी राजस्व हानि की बात है तो सरकार को सालाना ₹20,000-25,000 करोड़ रुपये के टैक्स रेवेन्यू का नुकसान हो सकता है, जिसमें जीएसटी (GST) प्रमुख है। इससे डिजिटल इकोसिस्टम जैसे फिनटेक, विज्ञापन और कंटेंट क्रिएशन प्रभावित हुए हैं।

दिलचस्प तो यह कि सरकार के तुगलकी फैसलों का असर भारत में होने वाले विदेशी निवेश पर भी पड़ेगा। इसलिए जहां तक निवेश प्रभाव की बात है तो देश में होने वाले ₹25,000 करोड़ के विदेशी निवेश (FDI) पर असर पड़ा है, क्योंकि नीतिगत अनिश्चितता से निवेशक पीछे हट रहे हैं। आखिर इसके त्वरित पारित होने से परामर्श की कमी ने डिजिटल अर्थव्यवस्था में विश्वास कमजोर किया। वहीं, जहां तक अन्य जोखिम की बात है तो उपभोक्ता अवैध ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स या ग्रे मार्केट की ओर मुड़ सकते हैं, जिससे धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग बढ़ सकता है। हालांकि ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन समग्र आर्थिक नुकसान प्रमुख चिंता है। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 पर सरकार ने उद्योग संगठनों को स्टेकहोल्डर मीटिंग्स, संसदीय बहस और आधिकारिक बयानों के माध्यम से आश्वासन दिए। जिसमें मुख्य फोकस रियल मनी गेमिंग प्रतिबंध के बावजूद स्किल-बेस्ड सेक्टर की सुरक्षा और विकास पर था। इसलिए संक्रमणकालीन समर्थन देते हुए सरकार ने 6-12 महीने का ट्रांजिशन पीरियड घोषित किया, जिसमें प्रभावित कंपनियों को लाइसेंस कन्वर्जन और रिस्किलिंग फंड की सुविधा दी गई। साथ ही FIFA और अन्य बॉडीज को आश्वस्त किया कि ई-स्पोर्ट्स को पूर्ण संरक्षण मिलेगा। जहां तक निवेश व नीतिगत सुरक्षा की बात है तो केंद्रीय बोर्ड की स्थापना से नियामक स्पष्टता का वादा किया गया, FDI को प्रोत्साहन के लिए टैक्स इंसेंटिव्स बढ़ाए। वहीं खेल मंत्रालय ने स्टार्टअप्स के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रांट्स का ऐलान किया, जो ₹500 करोड़ का है। जहां तक कानूनी निपटारा की बात है तो सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं पर सरकार ने हलफनामा दाखिल कर कहा कि अधिनियम व्यवसाय स्वतंत्रता का उल्लंघन नहीं करता, बल्कि जुआ रोककर स्वस्थ इकोसिस्टम बनाता है। इससे उद्योग का अधिकांश विरोध शांत हुआ। यही वजह है कि ई-स्पोर्ट्स उद्योग ने ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 पर मुख्य रूप से चिंता जताई, लेकिन पूर्ण विरोध कम था। दरअसल ई-स्पोर्ट्स प्लेयर्स वेलफेयर एसोसिएशन (EPWA) ने बिल पारित होने से ठीक पहले पीएम मोदी को पत्र लिखकर स्किल-बेस्ड गेम्स और चांस-बेस्ड गेम्स के बीच अंतर न करने पर आपत्ति दर्ज की। क्योंकि इनकी प्रमुख चिंताएं निम्नलिखित हैं- पहला, एसोसिएशन ने कहा कि पूर्ण प्रतिबंध से खिलाड़ियों की आजीविका (कोचिंग, स्ट्रीमिंग, टूर्नामेंट आयोजन, कंटेंट क्रिएशन) खतरे में पड़ जाएगी। दूसरा, आर्थिक रूप से कमजोर गेमर्स के अवैध प्लेटफॉर्म्स की ओर मुड़ने और भारत की वैश्विक ई-स्पोर्ट्स प्रतिष्ठा को नुकसान का डर जताया। यह बात अलग है कि ईपीडब्ल्यूए के विरोध का स्वरूप सिर्फ विरोध पत्र के रूप में सीमित रहा, न कि मुकदमेबाजी; बल्कि उन्होंने बिल का स्वागत किया लेकिन सभी गेम्स को एकसमान मानने के खिलाफ आग्रह किया। साथ ही 450 मिलियन गेमर्स वाले उद्योग को बचाने के लिए स्टेकहोल्डर परामर्श की मांग की। बाद में अधिनियम के ई-स्पोर्ट्स को मान्यता देने वाले प्रावधानों से अधिकांश चिंताएं कम हुईं। हालांकि ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 से संबंधित ई-स्पोर्ट्स प्लेयर्स वेलफेयर एसोसिएशन (EPWA) की चिंताओं पर सरकार ने औपचारिक लिखित जवाब सार्वजनिक रूप से तो नहीं दिया। लेकिन, बिल पारित होने के बाद जारी आधिकारिक बयानों और प्रावधानों से स्पष्ट होता है कि सरकार ने इनका अप्रत्यक्ष संज्ञान लिया। जहां तक उद्योग जगत की चिंताओं का समाधान की बात है तो EPWA द्वारा उठाई गई स्किल गेम्स और चांस गेम्स के अंतर की मांग को अधिनियम ने स्वीकार किया, ई-स्पोर्ट्स को राष्ट्रीय खेल का दर्जा देकर प्रतिबंध से बाहर रखा।

खेल मंत्रालय ने पत्र के बाद स्टेकहोल्डर मीटिंग्स में आश्वासन दिया कि खिलाड़ियों की आजीविका प्रभावित नहीं होगी। चूंकि यह नीतिगत कदम है, इसलिए सरकार ने ट्रेनिंग अकादमियां और छात्रवृत्तियों की योजना तेज की, जो EPWA की आर्थिक चिंताओं का प्रत्युत्तर मानी जा रही है। वहीं सुप्रीम कोर्ट में इस बाबत लंबित याचिकाओं पर केंद्र ने कहा कि अधिनियम उद्योग को बढ़ावा देगा, नुकसान नहीं। इससे EPWA की अधिकांश आपत्तियां शांत हुईं। देखा जाए तो ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 को पारित होने के तुरंत बाद कई विवाद और कानूनी चुनौतियां सामने आई हैं। इससे जुड़े मुख्य विवाद इसके त्वरित पारित होने, रियल मनी गेम्स पर पूर्ण प्रतिबंध और परिभाषाओं की अस्पष्टता पर केंद्रित हैं। जहां तक नए नियम से प्रभावित होने वाले उद्योग संगठनों की बात है तो उन्होंने इसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में मुकदमें ठोक दिए हैं। गेमिंग इंडस्ट्री की प्रमुख बॉडीज जैसे FIFS और अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर कीं, और दावा किया कि अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 19(1)(g) (व्यवसाय की स्वतंत्रता) का उल्लंघन करता है। वे तर्क देते हैं कि स्किल-बेस्ड गेम्स को जुआ घोषित करना मनमाना है और पर्याप्त स्टेकहोल्डर परामर्श की कमी थी। इसलिए इस नए अधिनियम की संवैधानिक वैधता विवाद छिड़ गया है। क्योंकि याचिकाकर्ताओं ने अधिनियम को मनी बिल के रूप में पेश न करने और लोकसभा में त्वरित बहस (केवल 2 दिन) पर सवाल उठाए, जो विधायी प्रक्रिया के नियमों का उल्लंघन मानते हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2026 तक कई याचिकाओं पर नोटिस जारी किया, लेकिन स्थगन नहीं दिया। वहीं राज्य सरकारों के मामले अलग हैं। खासकर कई राज्य जैसे तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश ने अपने पुराने प्रतिबंधों के साथ संघर्ष का हवाला देकर हाई कोर्ट में चुनौती दी, क्योंकि अधिनियम केंद्र-राज्य समन्वय को अनिवार्य बनाता है। ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ प्रवर्तन पर PIL भी लंबित हैं। इसप्रकार ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 की त्वरित पारित होने से कई चुनौतियां और सीमाएं उजागर हुई हैं। यह रियल मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगाता है, लेकिन कार्यान्वयन में अस्पष्टताएं बनी हुई हैं। जहां तक कार्यान्वयन चुनौतियां की बात है तो केंद्रीय बोर्ड की स्थापना में देरी और राज्यों के साथ समन्वय की कमी से नियमों का पालन मुश्किल हो रहा है। वहीं, ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स पर अवैध गतिविधियां बढ़ रही हैं, क्योंकि वैश्विक प्रवर्तन सीमित है। जहां तक आर्थिक सीमा की बात है तो एंरियल मनी सेक्टर के नुकसान की भरपाई ई-स्पोर्ट्स से तुरंत नहीं हो पा रही, जिससे 2 लाख नौकरियां प्रभावित हैं। लिहाजा, निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ा है, क्योंकि नीतिगत स्पष्टता की कमी बनी हुई है। जहां तक कानूनी व नियामक कमियां की बात है तो स्किल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स की परिभाषा अस्पष्ट होने से विवाद बढ़ सकते हैं, जबकि अपील प्रक्रिया धीमी है। लिहाजा लंबे समय में अवैध जुआ को रोकने के लिए तकनीकी बुनियादी ढांचे का अभाव प्रमुख बाधा है। गौरतलब है कि ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 ई-स्पोर्ट्स को स्किल-बेस्ड प्रतियोगिताओं के रूप में मान्यता देता है, जिससे इसे रियल मनी गेमिंग से अलग कर आधिकारिक खेल का दर्जा मिला। यह अधिनियम राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम के तहत ई-स्पोर्ट्स को मुख्यधारा का खेल बनाता है। बताया जाता है कि वर्तमान अधिनियम ई-स्पोर्ट्स इंडस्ट्री को आधिकारिक खेल का दर्जा देकर आर्थिक विकास को गति देगा। इससे निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होगी, हालांकि रियल मनी गेमिंग बैन के बाद शुरुआती संक्रमण चुनौतीपूर्ण रहेगा। जहां तक निवेश वृद्धि की बात है तो ई-स्पोर्ट्स को नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट के तहत मान्यता से FDI और स्पॉन्सरशिप आकर्षित होगी, जो इंडस्ट्री को $1-2 बिलियन तक बढ़ा सकती है। वहीं विशेषज्ञ इसे अनिश्चितता दूर करने वाला कदम मानते हैं, जिससे इनोवेशन और स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, जहां तक रोजगार सृजन की बात है तो ट्रेनिंग अकादमियां और रिसर्च सेंटर्स से हजारों नौकरियां पैदा होंगी, खासकर कोचिंग, इवेंट मैनेजमेंट और टेक डेवलपमेंट में। इस प्रकार लंबे समय में यह रियल मनी सेक्टर के नुकसान की भरपाई कर 50,000+ जॉब्स जोड़ सकता है।

यूपी में मुख्तार के करीबी का कत्ल: एक मिनट में वकील शोएब को गोलियों से किया छलनी, शूटर से अधिवक्ता तक की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के करीबी अधिवक्ता शोएब किदवई (51) उर्फ बॉबी की शुक्रवार दोपहर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। दोपहर करीब एक बजे शहर से चार किमी दूर असेनी अंडरपास के पास हमलावरों ने उनकी कार पर 11 राउंड फायरिंग की। मुख्तार गैंग का शूटर रहे शोएब को चार गोलियां लगी। पुलिस को कार के पास में चार खाली कारतूस मिले हैं। पत्नी शाजिया ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शोएब बाराबंकी के गदिया गांव के रहने वाले थे। वर्तमान में लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में रह रहे थे।

बाराबंकी शहर में भी उनका घर है। बाराबंकी कचहरी में प्रैक्टिस करते थे। शुक्रवार को लखनऊ से कार से बाराबंकी आ रहे शोएब को घेरकर हमलावरों ने गोलियां बरसाईं। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस को शोएब कार की ड्राइविंग सीट पर औंधे मुंह पड़े मिले। कार की विंडस्क्रीन पर गोलियों के निशान मिले हैं। एक गोली शोएब के दाहिने गाल को चीरते हुए निकल गई। हाथ और पसली में भी तीन गोलियां धंसी मिली हैं। सूचना पर एडीजी जोन प्रवीण कुमार ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

1999 में लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में जेलर आरके तिवारी की हत्या और इसके बाद बाराबंकी के डॉ. डीवी सिंह की हत्या के मामले में सामने आया था। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि शोएब मुख्तार अंसारी के गैंग से जुड़ा रहा था। उस पर हत्या, बलवा आदि के छह मामले दर्ज थे। हमलावरों की पहचान के लिए आसपास लगे सभी सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

बदले के लिए वारदात तो नहीं, कई बिंदुओं पर जांच

पुलिस की पांच टीमें इस घटना को लेकर कई बिंदुओं पर काम कर रही हैं। गैंग से जुड़ा अतीत क्या आज भी पीछा कर रहा था अथवा वकालत के दौरान किसी गंभीर मुकदमे में प्रापर्टी आदि के लेनेदेन को लेकर भी घटना को अंजाम देने के कयास लगाए जा रहे हैं। पुलिस इस पहलू की जांच भी कर रही है कि कही यह घटना किसी पुराने हत्याकांड में कोई बदले की भावना का नतीजा तो नहीं है।

शोएब ने वर्ष 2007 में बसपा में रहते हुए बंकी ब्लाक में कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख का चुनाव भी लड़ा। बाराबंकी में माफिया मुख्तार से जुड़े एंबुलेंस कांड में भी शोएब का नाम प्रमुखता से सामने आया था। पुलिस इस पूरे मामले में शोएब के करीबी लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाने में लगी है। संदिग्ध हमलावरों के स्कैच भी तैयार कराए जा रहे हैं।

लखनऊ से घटनास्थल तक की टाइमलाइन हो रही तैयार

शोएब किदवई बॉबी की हत्या में पुलिस को छानबीन के दौरान पता चला है कि मृतक आमतौर पर अपनी कार से किसी न किसी के साथ ही निकलते थे। शुक्रवार को भी वह चालक के साथ घर से रवाना हुए लेकिन वारदात से पहले रास्ते में चालक उतर गया। घटनास्थल तक की पूरी मूवमेंट की टाइमलाइन तैयार की जा रही है। बाराबंकी पुलिस की एक टीम लखनऊ पहुंचकर घर से लेकर वारदात स्थल तक सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाल रही है।

पांच खाली कारतूस, कैमरे से मेमोरी कार्ड गायब

घटना के बाद पुलिस ने अंडरपास के नीचे की सड़क को दोनों ओर से सील कर दिया। क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक टीम ने कार के पास से पांच खाली कारतूस बरामद किए। सड़क की मिट्टी और खून के नमूने भी एकत्र किए गए। जांच में पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरा चलता तो मिला मगर उसके अंदर मेमोरी कार्ड न मिलने से कुछ पता नहीं चला। पुलिस हाईवे पर लगे टोल प्लाजा और आसपास के निजी प्रतिष्ठानों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। ताकि हमलावरों की बाइक का नंबर पहचाना जा सके।

एसपी से मिले वकील, 48 घंटे का दिया अल्टीमेटम

हत्या से आक्रोशित अधिवक्ता शुक्रवार शाम एसपी कार्यालय पहुंचे। वकीलों ने मांग की कि 48 घंटे के भीतर हमलावरों को गिरफ्तार किया जाए, अन्यथा आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिनदहाड़े हाईवे पर हुई यह वारदात कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

बिफरे वकील, लगाया जाम

घटना के बाद करीब दो बजे शोएब को जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम हाउस में शव रखे जाने के बाद वकीलों का जमावड़ा लग गया।

उखाड़ी जा रही मानक विहीन बनी सड़क

जौनपुर। आजमगढ़ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग 233 पर चल रहे रिन्युअल कार्य में घटिया निर्माण को लेकर उठी आवाज का असर दिखने लगा है। चार दिन पूर्व किसान संगठन द्वारा मानक विहीन बन रहे सड़क पर झाड़ू लगाकर गिट्टियां बटोरने का समाचार प्रकाशित हुआ था । खबर के बाद हरकत में आए ठेकेदार व संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और खराब हो चुकी सड़क को उखाड़कर दोबारा निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी। राष्ट्रीय राजमार्ग 233 पर दानगंज से कनौरा तक करीब 16 किलोमीटर रिन्युअल कार्य प्रस्तावित है। निर्माण कार्य दानगंज की ओर से आगे बढ़ रहा है, लेकिन चंदवक बाजार सहित कई स्थानों पर सड़क बनने के दूसरे-तीसरे दिन ही गिट्टियां उखड़कर बिखर गईं। बीच सड़क पर अधूरा कार्य और मानकों की अनदेखी को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी थी।पूर्वांचल किसान संगठन च व बाजारवासियों ने सड़क पर झाड़ू लगाकर बिखरी गिट्टियां इकट्ठा कर विरोध दर्ज कराया।

मर्डर या सुसाइड? वैलेंटाइन डे पर कार में मिली प्रेमी-प्रेमिका की लाश, दोनों को लगी थी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। वैलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी को उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां सेक्टर-107 के पास सड़क किनारे खड़ी एक कार के अंदर प्रेमी-प्रेमिका के शव मिलने से हड़कंप मच गया। दोनों के शव कार की आगे की सीट पर खून से लथपथ हालत में पड़े थे। दोनों को गोली लगी थी। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे सेक्टर-107 के पास सड़क किनारे एक कार काफी देर से खड़ी देख स्थानीय लोगों को संदेह हुआ। जब एक राहगीर ने कार के अंदर झांककर देखा तो सामने की सीट पर एक युवक और युवती खून से लथपथ पड़े दिखाई दिए। यह दृश्य देखकर उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सेक्टर-39 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार का दरवाजा खोलकर दोनों को बाहर निकाला। तब तक दोनों

की मौत हो चुकी थी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मृतक युवक की पहचान सुमित के रूप में हुई है, जो मूल रूप से दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके का रहने वाला था। वहीं युवती की पहचान रेखा के रूप में हुई है, जो नोएडा के सेक्टर-58 क्षेत्र की निवासी बताई जा रही है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों एक-दूसरे को कई वर्षों से जानते थे और उनके बीच प्रेम संबंध होने की बात भी कही जा रही है।

क्या बोले एसपी?

एसीपी प्रवीण कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। संभावना है कि दोनों ने एक-दूसरे को गोली मारकर आत्महत्या की हो, हालांकि इस संबंध में अभी अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं घटना के पीछे कोई अन्य कारण या तीसरे व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।

मौके से एक पिस्टल और कारतूस बरामद

घटना की सूचना मिलते ही फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने कार और आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस को मौके से एक पिस्टल और कुछ कारतूस भी बरामद हुए हैं, जिन्हें कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया गया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट के बाद मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। पुलिस ने मृतकों के परिजन को सूचना दे दी है और उनके बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। अधिकारी प्रेम संबंध, पारिवारिक परिस्थितियों और मोबाइल कॉल डिटेल समेत सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रहे हैं।

निर्माणाधीन सड़क के बीच से गुजरी पूर्व मंत्री की कार, लोग बोले- रसूख या मनमानी? अधिकारियों की चुप्पी

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। औरैया जिले में कुदरकोट थाना क्षेत्र में एरवाकटरा विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत रामपुर खास में लोक निर्माण विभाग द्वारा आरसीसी सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान सपा के एक पूर्व मंत्री की कार कथित तौर पर निर्माणाधीन सड़क के बीच से गुजरती नजर आई। मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

लोगों का कहना है कि सड़क का निर्माण कार्य जारी होने के बावजूद इस तरह वाहन निकालना नियमों की अनदेखी है। बताया जा रहा है कि यह आरसीसी सड़क पीडब्ल्यूडी की विशेष कार्य योजना के तहत बनाई जा रही है। ऐसे में निर्माणाधीन सड़क पर पूर्व मंत्री की कार निकलने का मामला राजनीतिक रूप से भी चर्चा का विषय बन गया है। फिलहाल संबंधित विभाग और प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

उत्तराखंड से बरेली तक पीछा करते आया शोहदा, बरातघर में घुसकर युवती से की छेड़खानी

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली के कैंट थाना क्षेत्र के नकटिया में शादी समारोह के दौरान उत्तराखंड की युवती से छेड़खानी की गई। रुद्रपुर के किच्छा निवासी युवती ने कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित युवती ने थाना प्रभारी राजेश कुमार को बताया कि वह किच्छा की रहने वाली है। वह 12 फरवरी को अपने रिश्तेदार के यहां शादी में शामिल होने बरेली आई थी। युवती का आरोप है कि किच्छा निवासी कासिफ नाम का शोहदा उसका पीछा करते हुए बरेली पहुंच गया और 13 फरवरी की रात करीब दो बजे बरातघर में घुस आया। युवक उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। युवती के विरोध करने और शोर मचाने पर समारोह में मौजूद लोगों ने उसे आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। इस दौरान कासिफ ने युवती व अन्य लोगों से गालीगलौज की और जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद भाग गया। पीड़िता के मुताबिक आरोपी के खिलाफ पहले भी रुद्रपुर में मामला दर्ज कराया जा चुका है। अब बरेली के कैंट थाने में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आस्था और धार्मिक सद्भाव का अनोखा संगम, बुर्के में कांवड़ ला रही तमन्ना, साथ में पैदल चल रहा जीवनसाथी

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। धार्मिक आस्था और सामाजिक सद्भाव का अनोखा दृश्य उस समय देखने को मिला, जब संभल जिले के बदनपुर बसी गांव की तमन्ना मलिक बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा पर निकलीं। वह हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गांव की ओर बढ़ रही हैं। तमन्ना भगवान शिव को जल अर्पित करने के संकल्प के साथ पैदल यात्रा कर रही हैं। रास्ते में उनके काफिले के बिजनौर पहुंचने पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया और कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। तमन्ना के साथ करीब सौ शिवभक्त 'बोल बम' के जयकारे लगाते हुए चल रहे हैं। बताया गया कि तमन्ना ने पूर्ण आस्था और परिवार की सहमति से कांवड़ यात्रा में भाग लिया है। बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा करने को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल भी साथ चल रहा है, ताकि यात्रा शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

अपर प्राइमरी स्कूल काशीराम नगर में पोस्टर, रोल प्ले व क्विज प्रतियोगिता आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। अपर प्राइमरी स्कूल काशीराम नगर में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत पोस्टर, रोल प्ले और क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गयी। डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए इस मौके पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 55 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें कक्षा-सात की कशिश पहले, कक्षा-आठ के जीतू शुभ दूसरे और कक्षा –सात के राजा तीसरे स्थान पर रहे। कक्षा-छह के विशु को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से किया गया।

प्रतियोगिता के माध्यम से छात्र-छात्राओं को डायरिया रोकथाम और प्रबन्धन के बारे में विस्तार से बताया गया। नुक्कड़ नाटक, क्विज और पोस्टर के जरिए डायरिया से बचाव के जरूरी सन्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग से प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सूर्य प्रताप सिंह ने कहा कि टीकाकरण सारणी के अनुसार बच्चों को सारे टीके लगवाएं और रोटावायरस, विटामिन ए को लेना न भूलें। भोजन को ढककर रखें ताकि मक्खियाँ उस पर न बैठें। जिंक की खुराक को दस्त ठीक होने के बाद भी 14 दिनों तक जारी रखें। पीने के पानी को साफ़ रखें और पीने के पानी को निकालने के लिए डंडीदार लोटे का प्रयोग करें। छह माह से छोटे बच्चों को दस्त होने पर भी स्तनपान जारी रखना चाहिए। डायरिया के दौरान ओआरएस से शरीर में पानी की कमी को रोकें। इस मौके पर प्रधानाचार्य रत्नेश बाला, अध्यापिका उर्वशी शुक्ला, अर्शी सिद्दीकी व अन्य शिक्षकों के साथ आशा कार्यकर्ता सपना गुप्ता और पीएसआई इंडिया से मोहम्मद रिजवान, ममता सैनी आदि उपस्थित रहे।

संक्षेप

हादसे में तीन लोग घायल

जौनपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र के सीहींपुर के पास शनिवार की सुबह करीब 9 बजे आटो और बाइक की टक्कर में तीन लोग घायल हो गयें हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मछलीशहर की ओर से एक आटो आ रहा था तभी विपरीत दिशा से बाइक आ रही बाइक से टक्कर हो गई। यह हादसा एक अवैध कट के कारण हुआ है। इस हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने सिकरारा क्षेत्र के जनवेरा गांव निवासी 28 वर्षीय विक्की यादव और इब्राहिमाबाद निवासी राकेश कुमार व एक अज्ञात घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया।

रक्तरंजित मिली युवक की लाश

जौनपुर। शनिवार की सुबह रक्तरंजित एक युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। युवक की लाश के पास से गुलाब की पंखुड़ियां पाई गई है। गौराबादशाहपुर नगर पंचायत सीमा से करीब 50 मीटर दूर जिवली स्थित यूनियन बैंक के पास एक युवक की लाश पाई गई। उस युवक के चेहरे पर गहरे चोट के निशान थे। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने युवक की लाश को अपने कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है।

दिव्य झांकी और भण्डारा 15 को

जौनपुर। श्री संकट मोचन संगठन (ट्रस्ट) द्वारा भव्य भण्डारा एवं दिव्य झांकी कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है जो 15 फरवरी दिन रविवार को शाही पुल के बगल में स्थित गोपी घाट पर विराजमान बाबा गोमतेश्वर नाथ मन्दिर के प्रांगण में होगा।नगर के नखास स्थित उपरोक्त स्थल पर यह आयोजन प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के दिन हो रहा है जहां हजारों भक्तों द्वारा प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इस आशय की जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष आदित्य चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सूरज निषाद ने नगर के समस्त शिवभक्तों से उक्त अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील किया। साथ ही बताया कि भण्डारा एवं झांकी रविवार की सुबह 6 बजे से शुरू होकर प्रभु की इच्छा तक चलेगी।

अभद्र टिप्पणी पर गायक के खिलाफ मुकदमा

जौनपुर। सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में थाना बक्सा पुलिस ने गायक निलेश यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दबिश देना शुरू कर दिया है। ग्राम बेलछा निवासी निलेश यादव पुत्र राम अवध यादव ने अपने फेसबुक आईडी से न्यूज वन इंडिया के जिला संवाददाता देवेंद्र खरे के खिलाफ कथित रूप से अभद्र टिप्पणी करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद संबंधित पक्ष द्वारा थाने में तहरीर दी गई।तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

समस्या बन रही दंत स्वास्थ्य की अनदेखी : डा0 उज्जवल

जौनपुर। समर्पण सेवा समिति ने सेंट जोसफ स्कूल लखनपुर में मुफ्त दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में ओरो केयर डेंटल क्लिनिक, चिकित्सक डॉ. उज्ज्वल ने छात्रों व स्थानीय निवासियों का निशुल्क दंत परीक्षण किया तथा आवश्यक दवाइयां व सलाह प्रदान की।शिविर का शुभारंभ स्कूल प्राचार्य शुभेन्द्र अस्थाना द्वारा किया गया, जिन्होंने समिति के इस नेक प्रयास की प्रशंसा की। डॉ. उज्ज्वल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में दंत स्वास्थ्य की अनदेखी एक बड़ी समस्या है, जहां लोग अक्सर छोटी-मोटी परेशानियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो बाद में गंभीर रूप धारण कर लेती हैं। उन्होंने शिविर में मौजूद छात्रों व अभिभावकों को दांतों की साफ-सफाई, फ्लोराइड युक्त पेयजल के महत्व तथा नियमित जांच के टिप्स दिए। विशेष रूप से, बच्चों को चॉकलेट-टॉफी के अधिक सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति आगाह किया गया।

समलैंगिकता का लत ने बनाया एड्स रोगी, इंजीनियर भी पीड़ित, अब एक साल में सामने आए पूर्वांचल के 200 मामले

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी और पूर्वांचल के 200 युवा समलैंगिकता यानी मेल यौन संबंध टू मेल (एमएसएम) की लत में पड़कर एड्स की चपेट में आ गए। सब बीएचयू सहित अन्य सेक्सुअल ट्रांसमिटेड डिजीज (एसटीडी) और आईसीटीसी क्लीनिक में इलाज करा रहे हैं।

इनमें सॉफ्टवेयर इंजीनियर सहित कई प्रोफेशनल शामिल हैं। इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक के छात्र भी संक्रमित हैं। डॉक्टरों के अनुसार, पिछले तीन साल (2022, 2023 और 2024) में जहां एमएसएम के 36 मामले सामने आते थे, वहीं 2025 में ही 200 युवा इसकी चपेट में आए हैं।

इसकी रिपोर्ट उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी को भेजी गई है। जिले में बीएचयू की स्किन ओपीडी कक्ष के बगल में एसटीडी क्लीनिक चलती है। साथ ही मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा, दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में भी क्लीनिक है।

बीमारियों से ग्रसित लोगों की काउंसलिंग के साथ ही उपचार भी

यहां जननांग संबंधी बीमारियों से ग्रसित लोगों की काउंसलिंग के साथ ही उनका उपचार किया जाता है। इन दिनों सिफलिस का संक्रमण युवाओं में जिस तरह से बढ़ रहा है उसे लेकर डॉक्टर भी चिंतित हैं। इलाज कराने वाले युवाओं की उम्र 18 से 40 साल के बीच है। कुछ बीएचयू कैंपस के बाहर किराये पर मकान लेकर पढ़ाई कर रहे हैं। सिगरा, पांडेयपुर, भोजूवीर और गिलट बजार क्षेत्र में रहकर पढ़ाई करने वाले कई युवा इलाज करा रहे हैं।

> एमएसएम के मामलों में पिछले एक साल में बढ़ोतरी हुई है। बीएचयू के एसटीडी क्लीनिक में एमएसएम से होने वाली समस्या लेकर युवा आ रहे हैं। सभी की काउंसिलिंग के साथ ही बेहतर जांच, इलाज भी किया जा रहा है।
>
> – प्रो। सत्येंद्र कुमार सिंह, स्किन डिपार्टमेंट, बीएचयू
>
> जननांगों से जुड़ी समस्या (एमएसएम भी शामिल) लेकर आने वाले युवाओं की काउंसिलिंग की जा रही है। बहुत से लोग सूजन, दाने की दिक्कत बता रहे हैं। सेंटर के माध्यम से जरूरी दवाइयां देने के साथ ही निशुल्क इलाज भी किया जाता है। सभी की पहचान गुप्त रखी जाती है।
>
> – डॉ। पीयूष राय, जिला क्षय रोग अधिकारी

डेटिंग एप के जरिये एमएसएम का गलत रास्ता पकड़ा

इलाज कराने आने वाले युवाओं से पूछताछ के आधार पर स्वास्थ्य महकमे जो रिपोर्ट तैयार की है उसके मुताबिक, युवाओं ने डेटिंग एप के जरिये एमएसएम का गलत रास्ता पकड़ा है। काउंसिलिंग के दौरान युवाओं के मोबाइल फोन से डेटिंग एप हटवाए गए हैं।

केस-1

फरवरी में 30 साल का सॉफ्टवेयर इंजीनियर एसटीडी क्लीनिक पर इलाज कराने गया। जांच के बाद पता चला कि उसे सिफलिस का संक्रमण हो रहा है। पहले तो वह क्लीनिक पर बताने में हिचक रहा था, बाद में उसने एमएसएम की बात स्वीकारी। इसके बाद डॉक्टर ने जरूरी जांच के साथ ही इलाज शुरू किया।

केस-2

दिसंबर के तीसरे सप्ताह में पांडेयपुर के 19 साल के युवक को गुदा द्वार में दर्द की शिकायत हुई। वह बीएचयू के क्लीनिक पर पहुंचा। जांच में पता चला कि उसे सिफलिस का संक्रमण हो रहा है। पूछताछ में पता चला कि उसने किसी पुरुष से संबंध बनाया था। अब उसकी काउंसिलिंग के साथ ही जांच, इलाज शुरू किया गया है।

क्या होता है सिफलिस

सिफलिस एक गंभीर यौन संचारित संक्रमण है। पुरुष के पुरुष से संबंध बनाने वालों में इसका संक्रमण होने की संभावना अधिक होती है। डाक्टरों के अनुसार सिफलिस एक बैक्टीरियल संक्रमण है। समय से इसकी जानकारी मिलने पर बेहतर इलाज कराया जा सकता है।

बरसी पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जौनपुर। पुलवामा आतंकी हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा शनिवार को रुहट्टा स्थित स्कूल में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिकों, छात्रों, शिक्षकों और शिक्षिकाओं ने भाग लिया। शहीदों की याद में कैंडल जलाकर मौन रखा गया और सभी सदस्यों ने वृक्षारोपण कर अमर सपूतों को नमन किया। अखिल भारतीय भूतपूर्व सैनिक संगठन के विधिक सलाहकार राजबहादुर पाल और सूबेदार मेजर बी. एन. दुबे ने वृक्षारोपण के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। राजबहादुर पाल ने कहा कि सेना के सिपाही का बलिदान समाज पर एक ऋण है। उन्होंने पुलवामा के त्याग को आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता का प्रतीक बताया। भूतपूर्व सैनिक राजबहादुर पाल ने बच्चों के साथ अपने कारगिल युद्ध के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे घायल होने के बावजूद उन्होंने युद्ध जारी रखा था।

इन्हीं वजहों से चेहरे पर होते हैं मुंहासे, यहां जानें इनसे बचने के तरीके

अगर आपके चेहरे पर भी मुंहासे बार–बार बढ़ जाते हैं तो पहले इसकी वजह जान लें और फिर उससे बचने के तरीके।

हर कोई अपनी स्किन को साफ, चमकदार और बेदाग देखना चाहता है, लेकिन चेहरे पर अचानक आने वाले पिंपल्स या मुंहासे इस खूबसूरती को बिगाड़ देते हैं। अक्सर किसी खास मौके से पहले ही चेहरे पर एक बड़ा सा पिंपल निकल आता है, जिससे आत्मविश्वास भी कम हो जाता है।

किशोरावस्था से लेकर बड़ों तक, मुंहासों की समस्या आम है और ये किसी भी स्किन टाइप में हो सकती है। कई लोग महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सही कारण जाने बिना समस्या बार-बार लौट आती है। दरअसल, मुंहासे सिर्फ बाहरी गंदगी की वजह से नहीं, बल्कि शरीर के अंदर होने वाले बदलावों के कारण भी होते हैं। इसलिए जरूरी है कि पहले इसकी असली वजह समझी जाए और फिर सही उपाय अपनाए जाएं। यहां इस लेख में हम आपको इससे जुड़ी हर बात बताएंगे।

मुंहासे होने की वजह

मुंहासे तब होते हैं जब त्वचा के रोमछिद्र (पोर्स) तेल, गंदगी और मृत कोशिकाओं से बंद हो जाते हैं।

सबसे बड़ी वजह हार्मोनल बदलाव है, खासकर किशोरावस्था, पीरियड्स, प्रेग्नेंसी या तनाव के दौरान।

हार्मोन बढ़ने से त्वचा में सीबम (तेल) ज्यादा बनता है, जो बैक्टीरिया के साथ मिलकर पिंपल्स पैदा करता है।

इसके अलावा ऑयली स्किन, गलत स्किन केयर प्रोडक्ट्स, ज्यादा मेकअप, जंक फूड, डेयरी प्रोडक्ट्स का अधिक सेवन, नींद की कमी और स्ट्रेस भी कारण बनते हैं।

बार-बार चेहरे को छूना, गंदा तकिया कवर या मोबाइल स्क्रीन भी बैक्टीरिया बढ़ाते हैं, जिससे मुंहासे बढ़ सकते हैं।

इससे बचने के तरीके

दिन में दो बार माइल्ड, सल्फेट-फ्री फेसवॉश से चेहरा साफ करें।

ऑयल-फ्री और नॉन-कॉमेडोजेनिक प्रोडक्ट्स चुनें।

हफ्ते में 1–2 बार हल्का एक्सफोलिएशन करें, लेकिन ज्यादा स्क्रब न करें।

जंक फूड, ज्यादा मीठा और तला-भुना कम करें।

रोजाना 7–8 घंटे की नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग या मेडिटेशन करें।

मुंहासे हो जाएं तो क्या करें ?

पिंपल को फोड़ने या निचोड़ने से बचें, इससे दाग और इंफेक्शन हो सकता है।

सैलिसिलिक एसिड या बेंज़ोयल पेरोक्साइड युक्त क्रीम ट्रीटमेंट डॉक्टर की सलाह से लगाएं।

एलोवेरा जेल या टी ट्री ऑयल हल्के पिंपल्स में मदद कर सकते हैं।

मेकअप कम करें और त्वचा को साफ रखें।

लगातार बढ़ते मुंहासों के लिए क्या करें ?

अगर मुंहासे बार-बार हो रहे हैं या दर्दनाक सिस्टिक एक्ने बन रहे हैं, तो त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

डॉक्टर ब्लड टेस्ट, हार्मोन जांच या विशेष दवाइयां दे सकते हैं।

लंबे समय तक खुद से दवा लेने से बचें।

सही इलाज, संतुलित जीवनशैली और नियमित स्किन केयर से मुंहासों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

प्यार के नाम पर कहीं आप भी तो नहीं ढो रहे 'टॉक्सिक रिश्ता', इन 6 रेड फ्लैग्स को न करें इग्नोर

रिश्ते में प्यार और भरोसा होना बेहद जरूरी है, लेकिन टॉक्सिसिटी का होना उतना ही गलत साबित हो सकता है। अक्सर हम पार्टनर के शक करने या कंट्रोल करने वाली आदतों को 'प्यार' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन धीरे-धीरे यही बिहेवियर हमारे लिए स्ट्रेसफुल और रिश्ते को खोखला करने लगता है।

टॉक्सिसिटी सिर्फ कपल्स तक ही सीमित नहीं होती, बल्कि ये दोस्ती, परिवार या ऑफिस के रिश्तों में भी हो सकती है। समय रहते इन 6 खतरनाक संकेतों को पहचानना बेहद जरूरी है, ताकि आप खुद को एक जहरीले रिश्ते से बचा सकें। आइए जानते हैं क्या हैं वे रेड फ्लैग्स।

नजर रखना और कंट्रोल करना

अगर आपका पार्टनर लगातार आपकी हर एक्टिविटी पर नजर रखता है, आपके फैसले पर सवाल उठाता है या यह तय करने लगता है कि आप क्या कर सकते हैं और क्या नहीं, तो ये टॉक्सिक बिहेवियर का संकेत है। इससे आपका पर्सनल स्पेस खत्म हो सकता है।

ओवर पजेसिव होना

रिलेशनशिप में पजेसिव होना आम बात है, लेकिन ओवर पजेसिव होना टॉक्सिक रिश्ते में टॉक्सिसिटी का संकेत हो सकता है। अगर आपका पार्टनर हर बात पर सवाल करता है, टोकता है या बार-बार शक करता है, तो यह टॉक्सिक रिश्ते की पहचान है। एक अच्छे रिश्ते में पर्सनल स्पेस का होना बेहद जरूरी है।

झूठ बोलना या धोखा देना

हर रिश्ते की सबसे बड़ी नींव विश्वास होता है। अगर आपका पार्टनर बार-बार झूठ बोल रहा है या धोखा दे रहा है, तो इसका मतलब है कि आप एक टॉक्सिक रिश्ते में हैं। भरोसा टूटने के बाद रिश्ता और खराब होने लगता है, जिससे स्ट्रेस और दिमाग पर दबाव पड़ने लगता है। इसलिए समय रहते आप उस रिश्ते से जितना दूर हो जाए उतना आपके लिए अच्छा है।

हर बात पर मांफी मांगना

टॉक्सिक रिश्ते का एक सबसे बड़ा संकेत होता है हर बात पर माफी मांगना। अगर आप हर समय डर की वजह से अपने फैसलों या बिहेवियर के लिए माफी मांगते हैं, तो यह साफ संकेत है कि रिश्ता आपके इमोशन और आत्मसम्मान को दबा रहा है। वहीं, एक हेल्दी रिश्ते में डर और शर्म की कोई गुंजाइश नहीं होती है।

नेगेटिविटी या शिकायत

एक हेल्दी और अच्छे रिश्ते में पॉजिटिविटी बेहद जरूरी है। अगर आपका पार्टनर आपसे हमेशा नेगेटिव बातें या शिकायत करता है, तो यह रिश्ता टॉक्सिक हो सकता है। ऐसा होने पर आपका कॉन्फिडेंस गिरता है और आप खुद को दूसरों से कम समझने लगते हैं। रिश्तों में प्यार और स्पोट की जगह डर और चिंता बैठ जाती है।

फीलिंग्स को ठेस पहुंचाना

रिश्ते में हर किसी की फीलिंग्स मायने रखती हैं। अगर कोई आपके दुख और सुख को नजरअंदाज करता है या दूसरों के सामने आपका मजाक बनाता है, तो इससे रिश्ते में सम्मान की कमी आने लगती है। अगर लंबे समय तक ऐसा ही चलता है, तो रिश्ता टॉक्सिसिटी की ओर बढ़ने लगता है।

आपने कभी कोई डिश बनाने की कोशिश की हो और वो खराब हो गई हो, लेकिन उससे कोई नई चीज बन जाए तो बेहद खुशी होती है, क्योंकि इनग्रेडिएंट्स बेकार नहीं जाते हैं। ऐसी ही है दाल लोचो की रेसिपी। प्रोटीन से लबालब ये डिश कम्फर्ट फूड है जो स्वाद में भी कमाल है।

प्रोटीन से भरपूर है 'दाल लोचो', वेजिटेरियन के लिए बेस्ट...जान लें रेसिपी

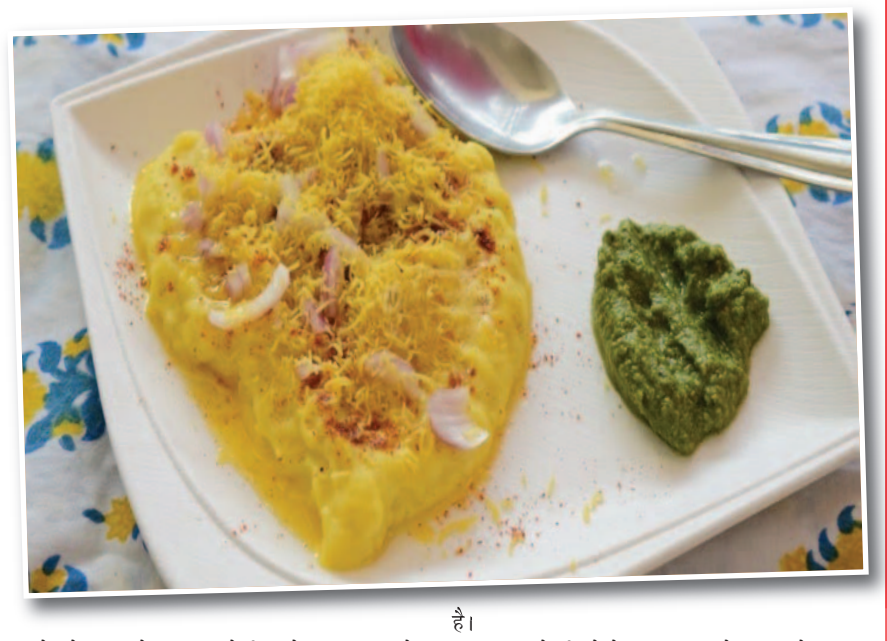

वेजिटेरियन लोग अक्सर ऐसी डिशेज खाना चाहते हैं जो स्वाद के साथ ही पोषक तत्वों से भी भरपूर हो। अगर कोई फिटनेस फ्रीक हो तो लगता है कि प्रोटीन की कमी पूरी करना शाकाहारी लोगों के लिए एक टास्क है, लेकिन बहुत सारे ऐसे वेजिटेरियन फूड्स हैं जो प्रोटीन का खजाना होते हैं और आप इनकी स्वादिष्ट चीजें भी बनाकर खा सकते हैं। ऐसी ही एक डिश है दाल लोचो। इसका स्वाद थोड़ा क्रीमी और मुंह में घुल जाने वाला होता है। ये एक बेहतरीन कंफर्ट डिश है जो छोटे बच्चों को भी खिलाई जा सकती है। इस डिश को बनाए जाने के पीछे की कहानी भी बड़ी दिलचस्प है जो शेफ भूपी यानी भूपेंद्र सिंह रावत ने शेयर की है।

शेफ बताते हैं कि खमड़ बनाने के दौरान जब उसमें लोचा हो गया यानी खमड़ खराब हो गया तो बनी दाल लोचो। दालें प्रोटीन का अच्छा सोर्स होती हैं। इसमें दही का भी इस्तेमाल किया गया है। ये भी प्रोटीन का सोर्स है। इसके अलावा ये डिश भाप में तैयार की जाएगी, इसलिए पोषत तत्व भी भरपूर मिलेंगे। तो चलिए देख लेते हैं दाल लोचो की रेसिपी।

लोचो के इनग्रेडिएंट्स

चना दाल 1 कप, उड़द दाल 2 बड़े चम्मच, पोहा ½ कप, दही ½ कप, चीनी 1 छोटा चम्मच, हरा हरा धनिया (डंठल सहित) ½ कप, पुदीने की पत्तियां ¼ कप, अदरक 1 इंच का टुकड़ा, हरी मिर्च 3-4, नमकीन सेव ½ कप, जीरा 1 छोटा चम्मच, काली मिर्च 1 बड़ा चम्मच, भुना हुआ जीरा 1 छोटा चम्मच, अमचूर पाउडर 1 बड़ा चम्मच, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर 1 छोटा चम्मच, काला नमक स्वादानुसार, नमक स्वादानुसार, बर्फ के टुकड़े 2-3

बाद में डाले जाने वाले इनग्रेडिएंट्स

पानी आवश्यकतानुसार, अदरक-लहसुन का पेस्ट 1 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर ½ छोटी चम्मच, फ़िल्टर किया हुआ तेल 2 छोटे चम्मच, इनो फ्रूट साल्ट जरूरत के मुताबिक। अब जान लीजिए दाल लोचो की रेसिपी।

दाल लोचो कैसे बनाएं?

सबसे पहले आप चना दाल और उड़द दाल को धोने के बाद चार से पांच घंटे के लिए भिगोकर रख दें।

भीगी हुई दाल को पानी से निकालकर अलग कर लें। एक छलनी में पोहा डालकर दो पानी से धो लें।

अब दोनों दाल और पोहा को जार में डालकर ग्राइंड कर लें। इससे आपको हल्का दरदरा पेस्ट बनाना है।

दाल को पीसने के बाद एक बड़े बाउल में निकाल लें और फिर इसमें दही डालकर व्हिस्कर से मिलाएं और थोड़ी सी चीनी भी एड करें।

अब आप दाल ढककर रख दें ताकि ये फर्मेंट हो जाए। इसमें कुछ घंटे लगते हैं। तब तक आप घर का कुछ और काम कर सकते हैं। या फिर दाल वाला प्रोसेस रात में करके रख लें।

चटनी के लिए हरा धनिया, पुदीना, अदरक के टुकड़े, हरा मिर्च, बेसन के सेव, जीर, नमक को ग्राइंडर में डालें, साथ ही में आपको आइस्क्यूब एड करने हैं।

सारी चीजें मिलाकर एक स्मूथ पेस्ट बना लें। इस तरह से आपकी टेस्टी चटनी बनाकर तैयार हो जाएगी जो लोचा के साथ परोसी जाती है।

अब आपको काली मिर्च, जीरा, अमचूर पाउडर, नमक, काला नमक, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, इन सारी चीजों को क्रश करके एक टेम्पटिंग मसाला तैयार करें,

4 से 5 घंटे में दाल फर्मेंट हो जाती है। इसको एक बार अच्छी तरह से मिक्स करें और फिर पानी एड करें। आपको इसका एक गाढ़ा घोल बनाना है।

अब आपको दाल में अदरक-लहसुन का पेस्ट, हल्दी, नमक, थोड़ा सा तेल, डालकर मिलाना है। फिर आप इसमें इनो डालें और मिलाएं।

पानी को उबालने के लिए रखें और दूसरी तरफ एक स्टीम ट्रे लेनी है, इसमें आप केला का पत्ता बिछाएं और फिर इसे आप तेल से ग्रीस कर दें।

अब तैयार किया गया दाल का बेटर आप स्टीम होने के लिए रख दें।इसे कम से कम 10 से 15 मिनट के लिए आपको ढककर पकाना है।

जब दाल स्टीम में पककर तैयार हो जाए तो इसे एक प्लेट में निकालें और थोड़ा सा मूंगफली का तेल इसके ऊपर डालें।

अब आपने जो ड्राई मसाला पीसकर रखा था वो दाल के ऊपर स्प्रिंकलर करें, साथ ही में आपको बनाकर रखी गई हरी चटनी भी डालें।

बेहतरीन कंफर्ट फूड

दाल लोचो एक बेहतरीन कंफर्ट फूड है जो प्रोटीन से भी भरपूर है और स्वाद में भी लाजवाब है। लोचो हल्का होने की वजह से आराम से पच जाने वाला व्यंजन है। इसके अलावा फर्मेंट प्रोसेस से गुजरने की वजह से ये एक प्रोबायोटिक फूड है जो आपकी गट हेल्थ के लिए अच्छा है। आप भी एक बार इसे बनाकर जरूर ट्राई करें।

बुढ़ापे में 5000 रुपए की फिक्स इनकम, अटल पेंशन योजना की आवेदन से पहले जान लें ये नियम

केंद्र सरकार ने साल 2015 में अटल पेंशन योजना (APY) की शुरुआत एक खास मकसद से की थी। इसका मुख्य लक्ष्य उन लोगों को सहारा देना है जो प्राइवेट नौकरी करते हैं, मजदूरी करते हैं या छोटे-मोटे काम धंधों से जुड़े हैं। चूंकि इन क्षेत्रों में रिटायरमेंट के बाद पेंशन की सुविधा नहीं होती, इसलिए सरकार ने यह कदम उठाया ताकि 60 साल की उम्र के बाद हर व्यक्ति के हाथ में नियमित पैसा आता रहे।

क्या है अटल पेंशन योजना का गणित?

इस स्कीम में आपको अपनी उम्र के हिसाब से हर महीने एक छोटा सा निवेश करना होता है। जब आप 60 साल के हो जाते हैं, तो सरकार आपको हर महीने फिक्स्ड पेंशन देना शुरू कर देती है। यह पेंशन 1,000 रुपए से लेकर 5,000 रुपए तक हो सकती है। आप जितना ज्यादा निवेश चुनेंगे, बुढ़ापे में उतनी ही ज्यादा पेंशन मिलेगी।

किन लोगों के लिए बंद हैं इस योजना के दरवाजे?

सरकार ने इस योजना का लाभ उठाने के लिए कुछ सख्त नियम बनाए हैं। अगर आप नीचे दी गई श्रेणियों में आते हैं, तो आप इस स्कीम का हिस्सा नहीं बन सकतेः

अगर आपकी उम्र 18 साल से कम है या 40 साल से ज्यादा हो चुकी है, तो आप इसमें आवेदन नहीं कर पाएंगे। इसमें जुड़ने के लिए आपकी उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

यह योजना खास तौर पर कम कमाई वाले लोगों के लिए है। अगर आप अच्छी सैलरी पाते हैं और आयकर (Income Tax) के दायरे में आते हैं, तो आप इस पेंशन योजना के हकदार नहीं हैं।

इस योजना का सारा पैसा सीधे बैंक से कटता है और पेंशन भी खाते में ही आती है। इसलिए, जिनके पास बैंक अकाउंट नहीं है या जिनका खाता आधार कार्ड से लिंक नहीं है, वे इसका लाभ नहीं ले पाएंगे।

कितना पैसा लगाने पर कितनी मिलेगी पेंशन?

पेंशन की रकम इस बात पर निर्भर करती है कि आपने किस उम्र में निवेश शुरू किया है। उदाहरण के तौर पर अगर आप अभी 18 साल के हैं और चाहते हैं कि 60 साल के बाद आपको 5,000 रुपए महीना मिले, तो आपको सिर्फ 210 रुपए हर महीने जमा करने होंगे। वही 30 साल की उम्र में अगर आप 30 साल की उम्र में शुरू करते हैं और 5,000 रुपए की पेंशन चाहते हैं, तो आपको 577 रुपए हर महीने देने होंगे।

पीएफ से निकालना है पैसा और खो गया है यूएएन? न हों परेशान, घर बैठे मिनटों में ऐसे करें रिकवर

पीएफ से पैसा निकालने के लिए यूएएन नंबर सबसे जरूरी है। अगर आप यह नंबर भूल गए हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप ईपीएफओ पोर्टल पर 'Know Your UAN' विकल्प के जरिए या 7738299899 पर एक SMS भेजकर मिनटों में अपना यूएएन रिकवर कर सकते हैं।

नौकरीपेशा लोगों के लिए प्रोविडेंट फंड (PF) महज एक बचत नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा की गारंटी होता है। हर महीने हमारी सैलरी का एक हिस्सा कटकर इस खाते में जमा होता है, जो मुश्किल वक्त में या रिटायरमेंट के बाद काम आता है। लेकिन, कई बार ऐसा होता है कि हमें पैसों की सख्त जरूरत होती है, हम पीएफ निकालने का मन बनाते हैं, और तभी पता चलता है कि हम अपना यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) ही भूल गए हैं। यूएएन के बिना पीएफ खाते में लॉगिन करना तो दूर, बैलेंस चेक करना भी नामुमकिन हो जाता है। अगर आप भी इसी परेशानी से जूझ रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। ईपीएफओ ने इस समस्या का समाधान बहुत आसान कर दिया है।

सैलरी वालों के लिए 'तिजोरी की चाबी' है UAN

यूएएन नंबर आपके पीएफ खाते की पहचान है। चाहे आप कितनी भी नौकरियां बदल लें, यह नंबर एक ही रहता है। अक्सर लोग इसे डायरी में नोट करना भूल जाते हैं या पुराना मैसेज डिलीट हो जाने से यह नंबर खो जाता है। यूएएन के बिना पीएफ विड्रॉल या ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती। अच्छी खबर यह है कि टेक्नोलॉजी के इस दौर में अब आपको इसके लिए एचआर डिपार्टमेंट के चक्कर काटने की जरूरत नहीं है। आप अपने स्मार्टफोन या लैपटॉप की मदद से घर बैठे ही इसे दोबारा हासिल कर सकते हैं। इसके लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की सुविधाएं दी हैं।

वेबसाइट पर चंद मिनटों में मिलेगा समाधान

अगर आपके पास स्मार्टफोन और इंटरनेट की सुविधा है, तो यूएएन रिकवर करना बेहद आसान है। इसके लिए आपको सबसे पहले ईपीएफओ के यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर जाना होगा। वेबसाइट के होमपेज पर दाईं तरफ आपको 'Important Links' का सेक्शन दिखाई देगा। यहीं पर नीचे की तरफ 'Know Your UAN' का विकल्प मौजूद होता है।

इस लिंक पर क्लिक करते ही एक नया पेज खुलेगा। यहां आपको वह मोबाइल नंबर डालना होगा जो आपके पीएफ खाते से लिंक है। सुरक्षा के लिए कैप्चा कोड भरें और ओटीपी के लिए रिक्वेस्ट करें। आपके मोबाइल पर एक वन टाइम पासवर्ड (OTP) आएगा, जिसे दर्ज करते ही सिस्टम आपको वेरिफाई कर लेगा। इसके बाद एक और फॉर्म खुलेगा जहां आपको अपना नाम, जन्मतिथि और आधार या पैन नंबर जैसी जानकारी देनी होगी। जैसे ही आप 'Show My UAN' पर क्लिक करेंगे, आपका खोया हुआ नंबर आपकी स्क्रीन पर फ्लैश होने लगेगा।

इंटरनेट नहीं है? SMS से भी बन जाएगा काम

कई बार हम ऐसी जगह होते हैं जहां नेटवर्क धीमा होता है या इंटरनेट नहीं चल रहा होता। ईपीएफओ ने इसका भी ध्यान रखा है। आप बिना इंटरनेट के सिर्फ एक एसएमएस भेजकर भी अपना यूएएन नंबर जान सकते हैं। यह सुविधा उन लोगों के लिए वरदान है जो टेक्नोलॉजी या वेबसाइट के पचड़े में नहीं पड़ना चाहते।

इसके लिए आपको अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से एक मैसेज भेजना होगा। अपने मैसेज बॉक्स में जाएं और टाइप करें 'EPFOHO UAN ENG'। ध्यान रहे कि आखिरी के तीन अक्षर (ENG) आपकी भाषा के लिए हैं। अगर आप अंग्रेजी में जानकारी चाहते हैं तो ENG लिखें। इस मैसेज को 7738299899 नंबर पर भेज दें। मैसेज भेजने के कुछ ही देर बाद ईपीएफओ की तरफ से एक रिप्लाई आएगा, जिसमें आपका यूएएन नंबर मौजूद होगा।

'दुनिया भर में दुश्मन हमसे डरते हैं', मादुरो के खिलाफ सैन्य कार्रवाई से खुश होकर बोले ट्रंप

नॉर्थ कैरोलिना, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्थ कैरोलिना में दुनिया के सबसे बड़े सैन्य अड्डों में से एक फोर्ट ब्रैग में सैनिकों और उनके परिवारों को संबोधित किया। इस दौरान वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने वाले विशेष सैन्य अभियान में शामिल सेना के जवानों की सराहना की।

'दुनिया भर में दुश्मन हमसे डरते हैं'

इसी के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पिछले महीने (03 जनवरी) के साहसिक कार्रवाई का मतलब है कि पूरी दुनिया ने देखा कि अमेरिका की पूरी सैन्य शक्ति क्या कर सकती है। इतना ही नहीं ट्रंप ने आगे कहा कि इस कार्रवाई में यह निश्चित किया कि दुनिया भर में संभावित दुश्मन हमसे डरते हैं।

फोर्ट ब्रैग में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि आपके कमांडर इन चीफ आपको पूरी तरह से सपोर्ट करते हैं। फिर उन्होंने अपने ही कैंपेन के एक नारे का इस्तेमाल करते हुए उनसे कहा, 'जब जरूरत होगी, आप लड़ेंगे, लड़ेंगे, लड़ेंगे। आप जीतेंगे, जीतेंगे, जीतेंगे।'

सैन्य परिवारों से मुलाकातें भी की

इसी के साथ राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने सैन्य परिवारों से निजी मुलाकातें भी कीं। हालांकि यह दौरा अमेरिकी सशस्त्र बलों का अभिनंदन करने के लिए आयोजित आधिकारिक दौरे से कहीं अधिक एक राजनीतिक रैली जैसा लगा। ट्रंप ने मादुरो को सत्ता से हटाने वाले हमले की प्रशंसा तभी की जब उन्होंने माइकल व्हाटली को मंच पर बुलाया, जो रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हैं और उन्हें राष्ट्रपति का समर्थन हासिल है, क्योंकि वे अब उत्तरी कैरोलिना से सीनेट के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। बता दें कि 3 जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को काराकास में घुसकर गिरफ्तार किया था। इसी के साथ उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को भी हिरासत में लिया। और वहां से अमेरिका ले जाया गया। मादुरो पर अमेरिका ने मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप लगाया है, जिसके तहत वो अमेरिका के कानून का सामना कर रहे हैं।

निखिल गुप्ता को अमेरिका में 24 साल की जेल, आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अमेरिका में 24 साल जेल की सजा सुनाई गई है। निखिल गुप्ता को शुक्रवार को दोषी ठहराया गया था और उसे 24 साल तक की जेल की सजा सुनाई गई है। मामले में एफबीआई ने बताया कि यह मामला दिखाता है कि वे विदेशी नागरिकों द्वारा अमेरिका में नागरिकों को धमकाने या नुकसान पहुंचाने के प्रयासों के खिलाफ लगातार सतर्क हैं।

एफबीआई का कहना है कि निखिल गुप्ता ने हत्या के लिए पैसे देने, हत्या की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने की पूरी जिम्मेदारी मानी है। उनका दोष संयुक्त राज्य की अदालत में स्वीकार किया गया वहीं एफबीआई के असिस्टेंट डायरेक्टर रोमन रोजहावस्की ने कहा कि अमेरिकी नागरिक को सिर्फ स्वतंत्रता से अपनी राय रखने के कारण निशाना बनाया गया था, लेकिन कानून ने समय रहते इसे रोका।

अमेरिकी अधिकारियों ने फेल की साजिश

बता दें कि इस मामले में अमेरिका की न्याय विभाग ने बताया कि निखिल गुप्ता को एक भारतीय सरकारी कर्मचारी (जिसका नाम मामले में नहीं बताया गया) ने भर्ती किया था ताकि पन्नून की हत्या के लिए हिटमैन की व्यवस्था की जा सके। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने साजिश को फेल कर दिया। इसके अलावा, भारत की विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि अब निखिल गुप्ता भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है।

समझिए कौन है गुरपतंत सिंह पन्नू

गौरतलब है कि गुरुपतवंत सिंह पन्नूं भारत द्वारा आतंकवादी घोषित हैं और इसके पास अमेरिकी और कनाडाई नागरिकता भी है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ऐसे किसी भी मामले में जो अमेरिका में नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करे, कानून उन्हें बख्शेगा नहीं।

कैरिबियाई सागर में ड्रग तस्कर जहाज पर अमेरिका का हमला, तीन की मौत, सामने आया घातक वीडियो

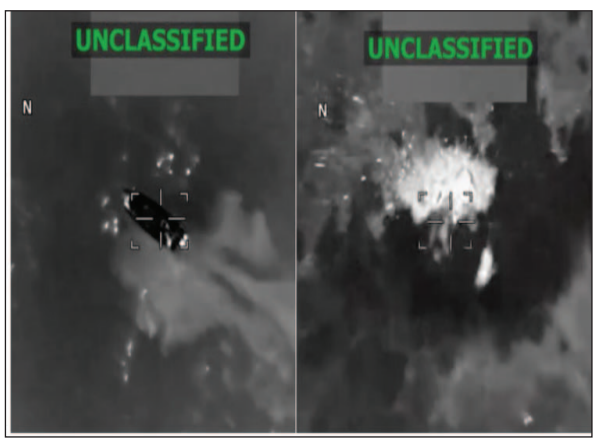

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरिबियाई सागर में कथित ड्रग तस्करी में लिप्त एक जहाज को निशाना बनाया। इस हमले में तीन तस्कर की मौत का दावा किया गया है, जिसका एक वीडियो भी सामने आया है। अमेरिकी सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि उसने कैरेबियन सागर में ड्रग्स की तस्करी के आरोपी एक जहाज पर घातक हमला किया। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोशल मीडिया पर इस हमले से जुड़ा एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि एक ही झटके में पूरे जहाज को खत्म कर दिया।

13 फरवरी को बनाया निशाना, साझा किया वीडियो

हमले का वीडियो साझा करते हुए अमेरिकी सदर्न कमांड ने सोशल मीडिया पर बताया कि 13 फरवरी को कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स सदर्न स्पीयर ने नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित एक पोत पर घातक सैन्य हमला किया।

सैन्य कार्रवाई में तीन तस्करों की मौत

पोस्ट में आगे कहा गया कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई कि पोत कैरिबियाई सागर में मादक पदार्थों की तस्करी के मार्गों से गुजर रहा था और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। इस कार्रवाई में तीन तस्कर मारे गए। अमेरिकी सेना का कोई भी जवान घायल नहीं हुआ।

हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 133

पोस्ट के साथ जुड़े एक वीडियो में नाव को पानी में चलते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद वह आग की लपटों में घिरकर फट जाती है। शुक्रवार (13 फरवरी) के हमले के बाद ट्रंप प्रशासन के कथित तौर पर मादक पदार्थों से भरी नौकाओं पर किए गए हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 133 हो गई है। सितंबर की शुरुआत से कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में कम से कम 38 हमले किए गए हैं।

अमेरिका में 22 वर्षीय भारतीय छात्र लापता, तलाश तेज ; अंजा झील के पास देखा गया आखिरी बार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में पढ़ रहे एक 22 वर्षीय भारतीय छात्र की लापता होने की खबर सामने आई है। कर्नाटक के साकेत श्रीनिवासैया कैलिफोर्निया में रहकर पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे हैं। जो कि मंगलवार यानी 10 फरवरी से लापता है। ऐसे में छात्र की तलाश तेज कर दी गई है।

भारतीय दूतावास ने जताई चिंता

साकेत के लापता होने की खबर की पुष्टि करते हुए सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की। दूतावास ने एक्स पोस्ट में छात्र को ढूंढने के लिए वह उसके परिवार और स्थानीय अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में होना की बात कही है।

पासपोर्ट और लैपटॉप के साथ मिला बैग

स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि कर्नाटक के रहने वाले और यूसी बर्कले के छात्र साकेत श्रीनिवासैया मंगलवार को लापता हो गए। बर्कले स्कैनर समाचार पोर्टल के अनुसार साकेत का बैग, जिसमें पासपोर्ट और लैपटॉप था पार्क हिल्स इलाके में एक घर के दरवाजे पर मिला। पुलिस के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीनिवासैया को आखिरी बार ड्वाइट वे के 1700 ब्लॉक में देखा गया था। उनका कद लगभग 6 फीट 1 इंच, वजन लगभग 73 किलोग्राम, छोटे काले बाल और भूरी आंखें बताई गई हैं। पुलिस ने श्रीनिवासैया के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित करने का आग्रह किया है।

दोस्त ने लगाई मदद की गुहार

इधर, श्रीनिवासैया के साथ रहने वाले बनेत सिंह ने अपने दोस्त पता लगाने में मदद मांगने के लिए एक पोस्ट किया। जिसमें उसने बताया कि उसे (साकेत) आखिरी बार बर्कले हिल्स में लेक अंजा के पास देखा गया था। उसने गुहार लगाते हुए कहा कि अगर मेरे किसी परिचित को इस इलाके में ऐसे लोग पता हों, जिन्होंने उसे हाल ही में देखा हो, तो कृपया मुझे कोई भी जानकारी दें। मैं पुलिस के साथ मिलकर उसे ढूंढने की पूरी कोशिश कर रहा हूं। यह हमारे लिए बहुत मुश्किल समय है। कृपया कोई भी ऐसी जानकारी दें, जिससे मदद मिल सके।

जैश आतंकी सैफुल्लाह बलूची की तलाशी तेज, डोडा में अलर्ट, लगाए गए पोस्टर्स और होर्डिंग्स

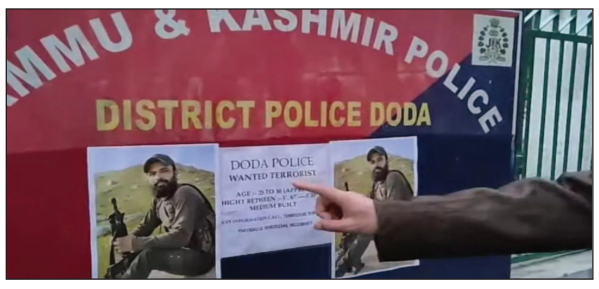

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के डोडा पुलिस ने टॉप जैश कमांडर सैफुल्लाह की तलाश शुरू की है। डोडा के अलग-अलग हिस्सों में सैफुल्लाह और उसके साथियों के पोस्टर लगाए गए हैं। डोडा पुलिस ने वांटेड जैश कमांडर और उसके साथी के बारे में जानकारी मांगी है। डोडा पुलिस ने पाकिस्तान के आतंकवादी सैफुल्लाह बलूची की तस्वीरें और डिटेल्स दिखाते हुए होर्डिंग्स लगाए हैं और आम लोगों से उसके ठिकाने का पता लगाने में मदद मांगी है।

यह कदम इलाके में सक्रिय आतंकवादी तत्वों को ट्रैक करने और बेअसर करने के लिए की गई सुरक्षा कोशिशों का हिस्सा है। पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और कोई भी भरोसेमंद जानकारी सुरक्षा एजेंसियों के साथ शेयर करने की अपील की है। साथ ही गोपनीयता का भरोसा भी दिलाया है।

अधिकारियों के मुताबिक, इन पोस्टरों में एक्टिव आतंकवादियों के बारे में जानकारी मांगी गई है। इन आतंकवादियों में बैन संगठन जैश-ए-मोहम्मद का एक पाकिस्तानी कमांडर भी शामिल है। इसकी पहचान सैफुल्लाह के तौर पर हुई है। यह कदम हाल ही में हुए एनकाउंटर और इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद जम्मू इलाके के ऊंचाई वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि पोस्टर खास चेकपॉइंट और पब्लिक जगहों पर देखे गए। इनमें नागरी, देसा, डोडा एंट्री पॉइंट पर गणपत ब्रिज और थाथरी शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि लोगों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनाने के लिए दूसरे कमजोर इलाकों में भी ऐसे और नोटिस लगाए जा रहे हैं।

चिल्ली जंगल में आतंकवादी ठिकाना

इस बीच सुरक्षा बलों ने शनिवार सुबह डोडा के गंडोह इलाके के चिल्ली जंगल में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। यहां पर उसके खाने-पीने का सामान और कंबल बरामद हुए। उन्होंने कहा कि इस बरामदगी से इलाके में हाल की हलचल का पता चलता है। इससे सुरक्षा बलों को आस-पास के जंगलों में तलाशी अभियान तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टरों में संदिग्धों की तस्वीरें और छोटी-छोटी जानकारी दी गई है। इनमें लोगों से अपील की गई है कि वे कोई भी भरोसेमंद जानकारी पुलिस के साथ शेयर करें।साथ ही, जानकारी देने वालों की पूरी गोपनीयता और सुरक्षा का भरोसा दिया गया है।

मालेगांव महापालिका में टीपू सुल्तान की तस्वीर पर बवाल

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मालेगांव महापालिका एक तस्वीर को लेकर इन दिनों जमकर विवाद देखने को मिल रहा है। यहां टीपू सुल्तान की तस्वीर को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। समाजवादी पार्टी की नगरसेवक और उपमहापौर शाने ए हिन्द के ऑफिस में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने के बाद शिवसेना समेत हिंदुत्ववादी संगठनों और कुछ नगरसेवकों ने विरोध जताया है।

विवाद बढ़ने और तनाव की स्थिति को देखते हुए नगर प्रशासन ने उपमहापौर के दफ्तर से तस्वीर हटाने का निर्णय लिया। नगर सचिव का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संभावित टकराव टालने के लिए यह कदम उठाया गया है। पिछल दो- तीन दिनों से इस तस्वीर को लेकर जमकर विवाद देखने को मिल रहा है। ऑफिस से तस्वीर हटाए जाने के बाद ऐसा माना जा रहा था कि विवाद शांत हो गया है। हालांकि इसी बीच नया विवाद सामने आ गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने मालेगांव की मेयर नसरीन शेख को टीपू सुल्तान की तस्वीर भेंट की। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

भारत माता की जय से संविधान की शुरुआत नहीं होती: ओवैसी

हैदराबाद, एजेंसी। ओवैसी ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता का मूल अधिकार देता है। ऐसे में किसी की देशभक्ति को किसी नारे से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राष्ट्रीय गान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है? ओवैसी ने कहा कि उन्हें अपनी वफादारी का कोई प्रमाणपत्र देने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि हर नागरिक को अपने धर्म और विचारों के अनुसार जीने की आजादी है और यही संविधान की भावना है।

भाजपा पर साधा निशाना

उन्होंने तेलंगाना में हुए चुनाव को लेकर भाजपा पर जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि तेलंगाना नगरपालिका चुनाव के दौरान भाजपा नेता हर पांच मिनट में उनका नाम तीन बार लेते थे, जिससे ऐसा लगता है कि वे उन्हें पसंद करते हैं। इसके साथ ही आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की तरफ से वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी। ओवैसी ने कहा कि अगर वे चाहें तो नाथूराम गोडसे को भी भारत रत्न दे सकते हैं।

ओवैसी ने कहा कि तेलंगाना में उनकी पार्टी संरचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभा रहा है, जबकि सरकार केवल तब लाभान्वित होती है जब संसद काम नहीं करती। उन्होंने यह भी बताया कि विपक्ष ने जो दस्तावेज पेश किया, वह सार्वजनिक दस्तावेज था और सरकार इसे खारिज नहीं कर रही।

हिजाब को लेकर क्या बोले ओवैसी

न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान ओवैसी ने हिजाब को लेकर भी अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि मैं देश की विविधता और समावेशिता को बढ़ावा दे रहा हूं, और मेरा सपना है कि एक हिजाब पहनने वाली महिला भारत की प्रधानमंत्री बने।

इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान 'कयामत कभी नहीं आएगी और बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण नहीं होगा' पर ओवैसी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कम से कम उन्होंने उर्दू का शब्द इस्तेमाल किया, जबकि हिंदी में ऐसा कोई शब्द नहीं है।

बाबरी मस्जिद पर क्या बोले ओवैसी

बाबरी मस्जिद के सुप्रीम कोर्ट फैसले पर भी ओवैसी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं अब भी मानता हूं कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत था। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के एक वीडियो पर उन्होंने कहा कि यह वीडियो जातिगत भेदभाव और हिंसा भड़काने वाला था। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह वीडियो ओवैसी ने बनाया होता, तो क्या होता।

नागबंधम से ऋषभ साहनी का खतरनाक लुक, अब्दाली बनकर मचाएंगे तबाही

फर्स्ट-लुक पोस्टर एक जबरदस्त और डरावने माहौल को दिखाता है, जहां बर्फ से ढका जंग का मैदान तूफानी हवाओं से घिरा है। ऋषभ मिड-चार्ज में नजर आते हैं, हाथ में खून से सना विशाल बैटल एक्स लिए हुए, आंखों में खौफ और जुनून साफ झलकता है।

अभिषेक नामा की मोस्ट अवेटेड माइथोलॉजिकल एक्शन ड्रामा नागबंधम, जिसमें वीरत कर्णा लीड रोल में नजर आएंगे, इस समर ग्रैंड पैन-इंडिया रिलीज़ के लिए तैयार है। 15 तारीख को महाशिवरात्रि के शुभ मौके पर फिल्म का टीज़र रिलीज़ होने वाला है, जिससे पहले मेकर्स ने इस एपिक कहानी के एक अहम किरदार का फर्स्ट लुक भी सामने ला दिया है, जिसने एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

फाइटर में अपने दमदार अंदाज़ से पहचान बना चुके ऋषभ साहनी ने नागबंधम में भी ज़बरदस्त असर छोड़ा है। फिल्म में वह कुख्यात अफगान सुल्तान अब्दाली के रोल में नजर आएंगे। 1750 के दौर पर बनी यह कहानी भारत में अब्दाली के हमलों को दिखाती है, जहां मंदिरों की लूट, दौलत की भूख और उसकी बेरहम फितरत को सामने रखा गया है।

फर्स्ट-लुक पोस्टर एक जबरदस्त और डरावने माहौल को दिखाता है, जहां बर्फ से ढका जंग का मैदान तूफानी हवाओं से घिरा है। ऋषभ मिड-चार्ज में नजर आते हैं, हाथ में खून से सना विशाल बैटल एक्स लिए हुए, आंखों में खौफ और जुनून साफ झलकता है। उनके पीछे विशाल सेना आगे बढ़ती दिखती है, ठंडी हवाओं में लहराते हरे जंगी झंडे, तीरंदाज, योद्धा और विशाल युद्ध हाथी इस हाई-वोल्टेज वॉर कैनवास को और भव्य बना देते हैं। खतरे का एहसास और बढ़ाने के लिए चारों ओर चमकती आंखों वाले भेड़ियों का झुंड नजर आता है, जो ताकत, तबाही और आने वाले विनाश का माहौल रच देता है।

नागबंधम में अब्दाली को एक ऐसे शख्स के तौर पर दिखाया गया है, जो अपनी महत्वाकांक्षा और क्रूरता में अंधा हो चुका है। हिमालय में छिपे रहस्यमयी नाग बंधम को पाने के लिए वह चाहे ब्राह्मण हों या बच्चे किसी की जान की परवाह नहीं करता। यह किरदार इतिहास के एक बेहद काले और डरावने दौर की याद दिलाता है, जहां अब्दाली की बेरहमी और निर्दयता उसकी सबसे बड़ी पहचान बनकर सामने आती है।

डायरेक्टर अभिषेक नामा ने ऋषभ की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की है। उनके मुताबिक, ऋषभ का अभिनय इतना असरदार है कि ऐसा लगता है जैसे इतिहास का किरदार अब्दाली स्क्रीन पर सच में ज़िंदा हो उठा हो। उन्होंने कहा, ऋषभ ने इस जटिल किरदार में पूरी तरह खुद को ढाल लिया है और इसमें गहराई और तीव्रता भर दी है।

ऋषभ ने कहा, अब्दाली जैसे चुनौतीपूर्ण किरदार को निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मेरी कोशिश रही कि इस ऐतिहासिक चरित्र की जटिलताओं और उसके इरादों को सही तरीके से सामने लाया जाए, साथ ही कहानी की आत्मा से भी जुड़ा रहा जाए।

फिल्म में नाभा नतेश और ऐश्वर्या मेनन फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी, जबकि जगपति बाबू, जयप्रकाश, मुरली शर्मा और बीएस अविनाश जैसे अनुभवी कलाकार अहम किरदारों में कहानी को मजबूती देते दिखाई देंगे।

कैमरे के पीछे साउंडर राजन एस की शानदार सिनेमैटोग्राफी, आरसी प्रणव की एडिटिंग और अशोक कुमार के भव्य प्रोडक्शन डिजाइन के साथ नागबंधम बड़े पर्दे पर एक दमदार और विज़ुअली शानदार अनुभव देने का वादा करती है।

एसएस राजामौली ने वाराणसी की रिलीज तारीख पर लगाई मुहर, जारी हुआ नया पोस्टर

प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की बहुप्रतीक्षित फिल्म वाराणसी की रिलीज तारीख पर एसएस राजामौली ने आखिरकार अपनी मुहर लगा दी है। कथित 1300 करोड़ के बजट वाली यह फिल्म रिलीज की तारीख को लेकर खूब चर्चा बटोर रही थी। हाल ही में, राजामौली ने वाराणसी शहर में, जिसके नाम पर शीर्षक है, फिल्म के होर्डिंग्स भी लगवाए जिसके बाद चर्चाओं ने और जोर पकड़ लिया। अब फिल्म के नए पोस्टर के साथ रिलीज तारीख से पर्दा उठाया गया है।

निर्माताओं ने एक्स पर वाराणसी का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में आसमान से धरती पर उल्का पिंडों को गिरते हुए दिखाया गया है जिससे ज्वालामुखी जैसी आग की लपटें निकल रही हैं। पोस्टर के साथ बताया गया है कि फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के आधिकारिक शीर्षक का अनावरण नवंबर, 2025 को हैदराबाद में आयोजित ग्लोबट्रॉटर कार्यक्रम में किया गया था।

फिल्म में महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इसके साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रकाश राज भी कहानी के अहम किरदार रहने वाले हैं। फिल्म की कहानी एक शिव भक्त की है जो एक रहस्यमयी मशन पर निकलता है और रास्ते में लगातार उसे क्लू मिलते हैं। लेकिन जैसे ही वो इस खोज के पड़ाव पार करता है तो पाता है कि इस मिशन के लिए उसे शैतान ने लगाया है और वह पूरी दुनिया पर राज करना चाहता है। हालांकि अभी तक फिल्म की कहानी पूरी तरह से सामने नहीं आई है। फिल्म के पोस्टर रिलीज हो चुके हैं जिसमें महेश बाबू का एक लुक सामने आया था। जिसमें वे शिव की सवारी नंदी पर बैठे हैं और हाथ में त्रिशूल लिए हैं। साथ ही उनके चेहरे पर जोरदार गुस्सा भी देखने को मिल रहा है।

साथ ही प्रियंका चोपड़ा भी एक दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं औनके किरदार का नाम मंदाकिनी है। बीते दिनों प्रियंका ने इसका एक लुक भी शेयर किया था जिसमें वे साड़ी पहने हाथों में बंदूक लिए दिख रही हैं। प्रियंका के इस अंदाज को देख फैन्स और भी उत्साहित हो गए हैं। लंबे समय बाद प्रियंका हॉलीवुड से भारतीय फिल्म में नजर आने वाली हैं।

बता दें कि डायरेक्टर राजामौली अपनी ग्रांड फिल्मों और भव्य वीएफएक्स के लिए जानी जाती हैं। वाराणसी फिल्म का भी बजट 1300 करोड़ रुपयों से ज्यादा का है। बीते दिनों प्रियंका चोपड़ा ने भी इसकी पुष्टि की थी। कपिल शर्मा के शो में पहुंची प्रियंका ने कहा था कि वे लंबे समय बाद किसी भारतीय फिल्म में लौटी हैं और उनका किरदार कमाल का रहने वाला है। फैन्स भी इस फिल्म को लेकर उत्साहित हैं और ये फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

पति पत्नी और वो दो की रिलीज तारीख आई, तीन-तीन हीरोइनों संग इश्क फरमाएंगे आयुष्मान खुराना

साल 2019 में एक फिल्म आई थी पति पत्नी और वो, जो उस साल की हिट फिल्मों में से एक थी। इसके गाने भी हिट थे। फिल्म में पति कार्तिक आर्यन बने थे, उनकी पत्नी भूमि पेडनेकर बनी थीं और वो का किरदार अनन्या पांडे ने निभाया था। अब इसी फिल्म का सीक्वल आ रहा है, जिसका नाम है पति पत्नी और वो दो। इस फिल्म के हीरो आयुष्मान खुराना हैं और अब इसकी रिलीज तारीख सामने आ गई है।

जाने-माने फिल्म समीक्षक और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर साझा कर इसकी रिलीज तारीख का ऐलान किया है। इसी के साथ ये भी पता चला है कि इस बार फिल्म में दो नहीं, बल्कि तीन-तीन अभिनेत्रियां होंगी। एक हैं सारा अली खान, दूसरी हैं रकुल प्रीत सिंह और तीसरी हैं वामिका गब्बी। इन तीनों हीरोइनों के साथ आयुष्मान रोमांस करते दिखेंगे, जबकि पति पत्नी और वो में कार्तिक के साथ दो अभिनेत्रियां थीं।

फिल्म अगले साल 4 मार्च, 2026 में यानी होली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस पोस्ट ने जहां आयुष्मान के प्रशंसकों का उत्साह दोगुना कर दिया है, वहीं कार्तिक के प्रशंसकों को फिल्म में उनकी कमी खल रही है। एक यूजर ने लिखा, इस बार तो धमाका हो जाएगा। कुछ ने फिल्म पहले ही हिट बता दी है। उधर एक ने लिखा, बेकार कर दी फिल्म, कार्तिक होना चाहिए था। बता दें कि ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक ट्वीट करके यह जानकारी दी है। इसके मुताबिक फिल्म पति पत्नी और वो दो अब 15 मई 2026 को रिलीज होगी।

पति पत्नी और वो में आयुष्मान, प्रजापति पांडे का किरदार निभाने वाले हैं। ये पहला मौका होगा, जब आयुष्मान, सारा, रकुल और वामिका साथ पर्दे पर नजर आएंगे। फिल्म के नाम से ही आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ये किस तरह की फिल्म होने वाली है। ये एक रोमांटिक, कॉमेडी और ड्रामा पर आधारित फिल्म होगी। टी-सीरीज के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण हो रहा है, वहीं मुदस्सर अजीज ने एक बार फिर निर्देशन की कमान संभाली है।

मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी फिल्म पति पत्नी और वो में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे लीड रोल में नजर आए थे। इनके अलावा फिल्म में कृति सैनन का कैमियो था और राजपाल यादव, अपारशक्ति खुराना, सनी सिंह और दीया मिर्जा जैसे कलाकारों ने भी काम किया था। कमाई की बात करें तो इस फिल्म का बजट 40 करोड़ रुपये था, जबकि इसने दुनियाभर में 109 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com